चैत्र शुक्ल पक्ष- 2, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 253 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल
20 मार्च 2026 शुक्रवार

आज का मौसम
34.2 अधिकतम
16.6 न्यूनतम

Page-7

असहमति के स्वर और जंग की बुनियाद पर ही लगातार उठते खतरनाक सवाल

अमेरिका की राजनीति में इन दिनों एक अजीब विरोधाभास उभरकर सामने आया है। एक ओर डोनाल्ड ट्रम्प ईरान के खिलाफ जंग को अपनी रणनीतिक जीत के तौर पर पेश कर रहे हैं, तो दूसरी ओर उनके ही तंत्र के भीतर से उठती आवाज़ें इस पूरी कार्रवाई पर गंभीर सवाल खड़े कर रही हैं। यह सिर्फ विपक्षी डेमोक्रेट्स का हमला नहीं है, बल्कि सिस्टम के भीतर से निकली ऐसी स्वीकारोक्ति है जो इस जंग की बुनियाद को ही कमजोर करती दिख रही है।

वॉर एनालिसिस

राजेश सिरोठिया

सबसे अहम संकेत तब मिला जब अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गाबार्ड ने सीनेट की इंटेलिजेंस कमेटी को दिए अपने लिखित बयान में परोक्ष रूप से यह स्वीकार किया कि ईरान से अमेरिका को कोई तत्काल खतरा नहीं था। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि पिछले साल जून में इज़राइल और अमेरिका के हमलों के बाद से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को आगे बढ़ाने के ठोस सबूत नहीं मिले हैं। इतना ही नहीं, यह भी सामने आया कि ईरान ने सात महीनों से यूरेनियम संवर्धन (enrichment) का काम रोक रखा था। जब खुफिया तंत्र ही खतरे को लेकर अनिश्चितता जता रहा हो, तब सवाल उठता है कि यह जंग किस आधार पर लड़ी जा रही है। अमेरिकी सीनेट की इंटेलिजेंस कमेटी के उपाध्यक्ष ने भी इसे रणनीतिक चूक करार दिया है। यह बयान बताता है कि मामला सिर्फ राजनीतिक बयानबाजी का नहीं, बल्कि नीति निर्माण की गंभीर विफलता का है। इजराइल के लिए यह जंग उसके अस्तित्व की लड़ाई हो सकती है। यह तर्क समझ में आता है। लेकिन अमेरिका के लिए ऐसा क्या दांव पर लगा था कि उसे सीधे युद्ध में कूदना पड़ा? क्या वह पर्दे के पीछे रहकर इजराइल की मदद नहीं कर सकता था? या फिर इस युद्ध के पीछे कोई ऐसा छुपा एजेंडा था, जो अब तक सामने नहीं आया।

और यदि कोई एजेंडा था भी, तो क्या उसमें अमेरिका को कोई ठोस सफलता मिली? हैरानी की बात यह है कि अमेरिका ने ईरान को तबाह करने में कोई कसर नहीं छोड़ी, लेकिन उसके तेल और गैस भंडार को छुआ तक नहीं। इसके उलट, इजराइल ने बुशेहर प्रांत में दुनिया के सबसे बड़े गैस भंडार–साउथ पार्स–पर हमला कर दिया। यह हमला सिर्फ ईरान तक सीमित नहीं रहा। इसमें कतर जैसे अमेरिका के करीबी सहयोगी का भी बड़ा निवेश था। नतीजा यह हुआ कि कतर को दोहरी मार झेलनी पड़ी। एक ओर उसके आर्थिक हितों को नुकसान हुआ, दूसरी ओर ईरान के पलटवार में उसके रास लफान पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स को भी निशाना बनाया गया।

जंग सिर्फ हथियारों की नहीं, बल्कि फैसलों की साख की भी है

पूरा घटनाक्रम बताता है कि यह जंग अब क्षेत्रीय नहीं रही, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए बड़ा खतरा बन चुकी है। जिन देशों का इस संघर्ष से कोई लेना-देना नहीं था, वे भी इसकी चपेट में आकर आर्थिक और ऊर्जा संकट से जूझ रहे हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल डोनाल्ड ट्रम्प से ही है। क्या उन्होंने इस युद्ध में कूदने से पहले इसके दूरगामी परिणामों पर विचार किया था? क्या सिर्फ यह कह देना काफी है कि उन्हें ईरान के पलटवार का अंदाजा नहीं था? अगर उन्हें अब इन परिणामों का एहसास हो गया है, तो जंग जारी रखने का औचित्य क्या है? क्या वे इसे रोककर यह नहीं कह सकते कि उनका मकसद दुनिया को नुकसान पहुंचाना नहीं था? क्या ऐसा करने से उनकी राजनीतिक छवि कमजोर हो जाएगी? दरअसल, असली सवाल यही है। जंग जारी रखकर वे बड़े साबित होंगे, या उसे रोककर जिम्मेदारी दिखाने से उनका कद और ऊंचा होगा? आज यह जंग सिर्फ हथियारों की नहीं, बल्कि फैसलों की साख की भी है। और, फिलहाल, ट्रम्प के फैसले कसौटी पर खरे उतरते नहीं दिख रहे। सवाल सिर्फ ईरान की जंग का नहीं है ज सवाल यह है कि क्या दुनिया अब भी ट्रम्प के फैसलों पर भरोसा कर सकती है? या फिर यह जंग इतिहास में एक खतरनाक भूल बनकर दर्ज होगी?

इजराइल का दावा... ईरान की लीडरशिप खत्म, अब वह दुनिया को ब्लैकमेल नहीं कर सकता

नेतन्याहू बोले-मैं जिंदा हूं...ईरान बर्बाद उम्मीद से पहले खत्म हो जाएगी जंग

» 20 दिन में दुश्मन की परमाणु ताकत खत्म की,100 मिसाइल लॉन्चर हमने तबाह किए

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

जंग के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी मौत की अफवाहों का खंडन करते हुए गुरुवार देर रात प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मैं जिंदा हूं।' नेतन्याहू ने दावा किया कि बीते 20 दिनों के हमलों के बाद अब ईरान के पास यूरेनियम बढ़ाने या बैलिस्टिक मिसाइलें बनाने की कोई क्षमता नहीं बची है। उन्होंने कहा, 'हम जीत रहे हैं और ईरान बर्बाद हो रहा है। ईरान के 100 से ज्यादा मिसाइल लॉन्चर तबाह किए। साथ ही हथियार बनाने वाली कई फैक्ट्रियां भी नष्ट कीं । उन्होंने जोड़ा कि यह युद्ध उम्मीद से पहले खत्म होगा।

नेतन्याहू ने कहा, हम ईरान पर चौतरफा हमले कर रहे हैं और वह अब दुनिया को ब्लैकमेल नहीं कर सकता है। उसकी लीडरशिप खत्म हो चुकी है। हमने युद्ध के तीन टारगेट रखे। इसमें ईरान का न्यूक्लियर खतरा खत्म करना, बैलिस्टिक मिसाइल खतरा हटाना, ईरानी लोगों के लिए आजादी की स्थितियां बनाना । अमेरिका और इजराइल मिलकर ईरान को तबाह कर रहे हैं।

अमेरिकाको युद्ध में घसीटने के मुद्दे पर नेतन्याहू ने कहा - वो अपनी मर्जी से जंग में साथ आए। क्या कोई सोच सकता है कि ट्रम्प को कोई कुछ करने को कह सकता है? रेजीम चेंज के लिए सिर्फ हवाई हमले काफी नहीं, जमीन पर कार्रवाई भी जरूरी हो सकती है, लेकिन ईरानी लोगों को खुद उठना होगा।

» ट्रम्प के लिए कहा - वो अपनी मर्जी से जंग में आये, उन्हें कोई कैसे समझा सकता है

डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड निचले स्तर पर, 93.08 पर पहुंचा

भारतीय रुपया आज शुरुआती कारोबार में कमजोर होकर अपने रिकॉर्ड इंट्रा-डे निचले स्तर पर पहुंच गया। डॉलर के मुकाबले रुपया 19 पैसे टूटकर पहली बार 93 के स्तर को पार करते हुए 93.08 पर कारोबार करता दिखा। इंटरबैंक फॉरेक्स मार्केट में रुपया 92.92 प्रति डॉलर पर खुला और जल्द ही गिरकर 93.08 तक पहुंच गया, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है।

» ईरान का दावा - अमेरिकी एफ 35 जेट को नुकसान पहुंचाया, इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी

सऊदी की चिंता - 180 डॉलर तक पहुंच सकता है तेल

सऊदी अरब के अधिकारियों का मानना है कि अगर होर्मुज स्ट्रेट में बाधाएं अप्रैल तक जारी रहती हैं, तो कच्चे तेल की कीमत 180 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने सूत्रों के हवाले से दी है। उधर ,रियाद स्थित किंग फैसल सेंटर फॉर रिसर्च एंड इस्लामिक स्टडीज के विशेषज्ञ उमर करीम ने अल जजीरा से कहा कि अगर रेड सी के तेल टर्मिनल्स पर हमला होता है या वहां किसी तरह की रुकावट आती है, तो तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचना भी संभव है।

भारतीय जहाजों के लिए स्पेशल कॉरीडोर बना रहा ईरान

ईरान होर्मुज स्ट्रेट से निकलने की कोशिश कर रहे भारतीय जहाजों के लिए सुरक्षित कॉरिडोर बना रहा है। समुद्री डेटा और इंटेलिजेंस कंपनी लॉयड्स लिस्ट इंटेलिजेंस के मुताबिक ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों के सुरक्षित मार्ग की अनुमति देने के लिए एक प्रक्रिया तैयार कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय अधिकारी ईरान के साथ सीधी बातचीत कर रहे हैं और कम से कम 22 ऐसे जहाज हैं जिन्हें होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत आना है। इनमें से 20 ऐसे जहाज हैं जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बहुत ज्यादा महत्वपूर्ण हैं। समुद्री डेटा कंपनी के अनुसार 9 जहाज होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान के गलियारे से बाहर निकल चुके हैं। उधर, द हिंदू की रिपोर्ट में भारत के सूत्रों के हवाले से बताया गया कि स्थिति बिगड़ने के कारण होर्मुज में दो हफ्ते से ज्यादा समय से फंसे भारतीय जहाजों को फिलहाल वहीं रुके रहने के लिए कहा गया है।

न्यूज विंडो

धामी कैबिनेट का विस्तार पांच विधायकों ने ली शपथ

देहरादून। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार के कैबिनेट का आज विस्तार हुआ। कैबिनेट विस्तार में 5 मंत्रियों को राज्यपाल गुरमीत सिंह ने शपथ दिलाई। कैबिनेट में मंत्री की शपथ लेने वाले विधायकों में मदन कौशिक प्रदीप बत्रा, राम सिंह कैड़ा, भरत सिंह चौधरी और खजान दास शामिल रहे। इन विधायकों के शपथ के साथ ही पुष्कर सिंह धामी कैबिनेट में अब मुख्यमंत्री समेत 12 सदस्य हो गए हैं। पुष्कर सिंह धामी कैबिनेट में अब मुख्यमंत्री समेत12 सदस्य हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आज 5 नए मंत्रियों को शपथ दिलाने के बाद कैबिनेट सदस्यों की संख्या 7 से अब 12 हो गई।

श्रद्धालुओं की बोलेरो पेड़ से टकराई; पांच लोगों की मौत

आगरा। कैला देवी से दर्शन कर लौट रहे इटावा के श्रद्धालुओं की बोलेरो गुरुवार रात चित्राहट के गांव पई के पास सड़क किनारे खड़े पेड़ से टकरा गई। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के पांच लोगों की मृत्यु हो गई और चार गंभीर रूप से घायल हैं। मरने वालों में दंपती, बेटी, पिता व चालक शामिल हैं। घायलों को सैफई मेडिकल कालेज के हास्पिटल में भर्ती कराया गया है। इटावा निवासी एक ही परिवार के आठ लोग बोलेरो कार से कैला देवी के दर्शन करने के लिए राजस्थान गए थे। वापस लौटते समय गुरुवार रात करीब 11 बजे तेज रफ्तार बोलेरो कार चित्राहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत पई गांव के पास सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। तेज धमाके की आवाज व घायलों की चीख पुकार सुनकर आसपास रहने वाले ग्रामीण दौड़ पड़े।

भोपाल, जबलपुर समेत आधे प्रदेश में बारिश

उज्जैन, बैतूल, झाबुआ, बड़वानी में ओले गिरे, फसलों को नुकसान

भोपाल. दोपहर मेट्रो

प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन एक्टिव होने के कारण मौसम का मिजाज पूरी तरह बदल गया है। 24 घंटों के दौरान प्रदेश के आधे से ज्यादा हिस्से में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। आज सुबह से भी राजधानी भोपाल सहित कई जिलों में बादलों का डेरा है और कहीं-कहीं रुक-रुककर बारिश हुई।

ओलावृष्टि और आंधी से किसानों की बढ़ी चिंता: मौसम विभाग के अनुसार, उज्जैन, पांढुर्णा, बैतूल, झाबुआ और बड़वानी में ओले गिरे हैं। तेज आंधी और बेमौसम बारिश की वजह से खेतों में खड़ी फसलों को खासा नुकसान पहुंचा है। बैतूल और दमोह में करीब आधा इंच पानी गिरा है, जबकि इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन समेत दो दर्जन से अधिक जिलों में तेज हवा के साथ बौछारें पड़ीं।

तापमान में आई गिरावट पचमढ़ी में पारा 12.6 डिग्री

बारिश और ठंडी हवाओं के चलते पूरे प्रदेश के तापमान में गिरावट आई है। न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई है। राजधानी भोपाल में दिन का पारा 34.2 डिग्री दर्ज किया किया। हिल स्टेशन पचमढ़ी 12.6 डिग्री न्यूनतम तापमान के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। वहीं, इंदौर में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री और भोपाल में 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी

नई दिल्ली। केंद्रीय राज्य मंत्री जयंत चौधरी को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी उनके निजी सहायक विश्वेंद्र शाह को फोन और व्हाट्सएप के माध्यम से दी गई। धमकी देने वाले की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी इस्माइल के रूप में हुई है। आरोप है कि इस्माइल के पास मंत्री के आधिकारिक दौरे की योजना की एक प्रति मौजूद थी। दिल्ली पुलिस ने इस गंभीर मामले में तत्काल शिकायत दर्ज कर ली है। पश्चिम बंगाल पुलिस भी इस पूरे प्रकरण की गहन जांच कर रही है। शिकायत दिल्ली के तुगलक सड़क थाने में दर्ज कराई गई है। नई दिल्ली जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने इस घटना की पुष्टि की है।

प्रेमानंद महाराज से मिलीं राष्ट्रपति मुर्मू

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आज मथुरा के दौरे पर हैं। अपने प्रवास के दौरान वह वृन्दावन स्थित श्रीहित राधा केलि कुंज आश्रम पहुंचीं। यहां उन्होंने संत श्री प्रेमानंद महाराज से भेंट कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर प्रेमानंद महाराज के परिकरों और शिष्यों द्वारा राष्ट्रपति का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। इस मौके पर राष्ट्रपति और प्रेमानंद महाराज के बीच एकांतिक वार्तालाप हुआ। जानकारी के मुताबिक दोनों लोगों ने मुख्य रूप से अध्यात्म, सेवा और जनकल्याण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति ने प्रेमानंद महाराज के सरल जीवन और उनके आध्यात्मिक उपदेशों के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की। सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच हुई इस शिष्टाचार भेंट के दौरान आश्रम का वातावरण भक्तिमय नजर आया।

दुष्कर्म के बाद शादी, फिर भी कोर्ट ने पति को सुनाई 10 साल की सजा

हरदोई, एजेंसी

हरदोई जिले में नाबालिग से दुष्कर्म का केस दर्ज होने के बाद उसी के साथ घर बसाने वाले युवक को विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट मनमोहन सिंह ने इस टिप्पणी के साथ दस साल कैद की सजा सुनाई कि शादी करने से युवक का अपराध कम नहीं होता। भले ही नाबालिग की सहमति से संबंध बने हों। कानून की नजर में शारीरिक संबंध में नाबालिग की सहमति महत्वहीन है। इसे दुष्कर्म ही माना जाएगा। मामला नौ साल पुराना है और इस समय दोनों के दो बच्चे भी हैं। कोर्ट ने पांच हजार का जुर्माना भी लगाया। जुर्माना न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। माधौगंज थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इसमें बताया था कि 14 जनवरी 2017 की रात करीब एक बजे वह अपने घर में चारपाई पर सो रही थी। इसी दौरान दीवार फांदकर घर में घुसे गांव के राजेश सक्सेना ने छेड़छाड़ और दुष्कर्म का प्रयास किया। शोर मचाने पर माता-पिता आए, तो राजेश भाग निकला। पुलिस ने घर में घुसकर छेड़छाड़ और पॉक्सो की धारा में रिपोर्ट दर्ज की थी। विवेचना के दौरान मजिस्ट्रेट को दिए गए बयानों में दुष्कर्म की भी बात कही गई थी। इससे दुष्कर्म की धारा बढ़ाई गई थी। अभियोजन पक्ष की ओर से चार गवाह और नौ अभिलेखीय साक्ष्य पेश किए गए। दोनों पक्षों के तर्कों को सुनने व सबूतों के आधार पर अदालत ने सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की कि शारीरिक संबंध में नाबालिग की सहमति कानून की नजर में शून्य होती है। सबूतों के आधार पर अदालत ने सजा सुनाई।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर भारतीय मूल के अमेरिकी युवा की उपलब्धि, फोर्ब्स की लिस्ट में आया नाम

जकरबर्ग को पछाड़कर सूर्या बने दुनिया के सबसे कम उम्र के बिलिनेयर

नईदिल्ली. एजेंसी

दुनिया में टेक्नोलॉजी का चलन बढ़ने से नॉलेज को हासिल करना आसान हुआ है। इसका फायदा उठाकर कई प्रतिभाशाली युवा यूनीक प्रोडक्ट्स और सर्विसेज मार्केट में ला रहे हैं। इनमें से कई सफल हो रहे हैं और इनके फाउंडर्स कम उम्र में ही सक्सेस का स्वाद चख रहे हैं। फोर्ब्स की हाल में जारी बिलिनेयर लिस्ट में 35 युवाओं की उम्र 30 साल से कम है। इनमें भारतीय मूल के अमेरिकी उद्यमी सूर्या मिधा भी शामिल हैं जो दुनिया में सबसे कम उम्र के सेल्फ-मेड बिलिनेयर हैं। पहले यह खिताब फेसबुक के मार्क जकरबर्ग के पास था जो 2008 में 23 साल की उम्र में बिलिनेयर बन गए थे। लेकिन सूर्या मिधा 22 साल की उम्र में ही इस मुकाम पर पहुंच गए।

मिधा ने अपने दो दोस्तों ब्रेंडन फूडी और आदर्श हिरेमथ के साथ मिलकर एआई हायरिंग स्टार्टअप Mercor की स्थापना की थी। इस कंपनी ने पिछले साल के अंत में 10 अरब डॉलर की वैल्यूएशन पर 350 मिलियन डॉलर जुटाए थे। फोर्ब्स के मुताबिक मिधा की नेटवर्थ करीब 2.2 अरब डॉलर है और वह दुनिया में सबसे कम उम्र के बिलिनेयर हैं। फूडी इस कंपनी के सीईओ, हिरेमथ सीटीओ और मिधा बोर्ड चेयरमैन हैं। फोर्ब्स के मुताबिक Mercor एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां एप्लिकेंट्स का इंटरव्यू एक एआई अवतार लेता है और उन्हें उन कंपनियों में प्लेस किया जाता है जो प्रतिभाओं को खोज रही है। यानी यह कंपनी रिक्रूटमेंट को मॉडर्नाइज करने के लिए एआई का यूज कर रही है। कई बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियां अपने इंजीनियर्स और रिसर्चर्स को रिक्रूट करने के लिए इस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रही हैं।

फॉरेन स्टडीज में हायर एजुकेशन

मिधा का जन्म माउंटेन व्यू में हुआ था और उनका बचपन कैलिफोर्निया के सैन होजे में बीता था। उनके माता-पिता दिल्ली से अमेरिका गए थे। स्कूल के दिनों में उनकी पहचान नेशनल डिबेट चैंपियन की थी। उनकी कम्युनिकेशन और एनालिटिकल एबिलिटीज काफी स्ट्रॉन्ग थी। मिधा ने जॉर्जटाउन यूनिवर्सिटी से फॉरेन स्टडीज में हायर एजुकेशन ली। उसी समय हिरेमथ हार्वर्ड में थे जबकि फूडी जॉर्जटाउन में इकनॉमिक्स की पढ़ाई कर रहे थे। मिधा और हिरेमथ ने पॉलिसी डिबेट में तीनों नेशनल टूर्नामेंट जीते।

अमृत-2.0 योजना के तहत 213 करोड़ से 10 नए एसटीपी बनेंगे

बड़े तालाब-बेतवा को बचाने की तैयारी शहर में बनेंगे नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाने और सीवेज प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए नगर निगम ने अमृत-2.0 योजना के तहत बड़ा कदम उठाया है। शहर के 10 प्रमुख नालों पर नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) स्थापित किए जाएंगे, जिन पर करीब 213.75 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस परियोजना के पूरा होने के बाद न केवल शहर की सीवेज उपचार क्षमता बढ़ेगी, बल्कि बड़े तालाब, छोटे तालाब और बेतवा नदी जैसे प्रमुख जल स्त्रोतों को प्रदूषित होने से भी राहत मिलेगी।

171 एमएलडी बढ़ेगी उपचार क्षमता

वर्तमान में भोपाल से रोजाना करीब 360 मिलियन लीटर प्रतिदिन (एमएलडी) सीवेज निकलता है, जिसमें से लगभग 240 एमएलडी बिना उपचार के ही जल स्त्रोतों में मिल रहा है। नए एसटीपी बनने के बाद 171 एमएलडी अतिरिक्त सीवेज का उपचार संभव होगा। इससे कुल उपचारित क्षमता 119 एमएलडी से बढ़कर करीब 290 एमएलडी तक पहुंच जाएगी।

27 हो जाएंगे कुल एसटीपी: नगर निगम फिलहाल 17 एसटीपी संचालित कर रहा है, जिनकी स्थापित क्षमता 204 एमएलडी है, लेकिन तकनीकी व अन्य कारणों से केवल 119.63 एमएलडी सीवेज का ही उपचार हो पा रहा है। नए 10 प्लांट जुड़ने के बाद शहर में कुल एसटीपी की संख्या 27 हो जाएगी और स्थापित क्षमता बढ़कर 375 एमएलडी तक पहुंच जाएगी। शहर में संचालित 17 एसटीपी की क्षमता भले ही 204 एमएलडी है, लेकिन वास्तविक उपचार इससे काफी कम हो रहा है। कई प्लांट अपनी पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे हैं, जिससे सीवेज प्रबंधन पर दबाव बना हुआ है। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन के अनुसार, अमृत-2.0 परियोजना के तहत लगाए जा रहे नए एसटीपी से शहर के सीवेज का बेहतर प्रबंधन संभव होगा। उन्होंने कहा कि सभी प्लांट समय पर शुरू होने के बाद गंदे पानी को बिना उपचार के जल स्त्रोतों में जाने से रोका जा सकेगा।

भानपुर में बनेगा सबसे बड़ा प्लांट

इस परियोजना के तहत भानपुर क्षेत्र में 60 एमएलडी क्षमता का सबसे बड़ा एसटीपी स्थापित किया जाएगा, जो पातरा नाला के पानी को उपचारित करेगा। इसके अलावा बावड़िया कलां में 32 एमएलडी और खजूरी कलां में 20 एमएलडी क्षमता के प्लांट प्रस्तावित हैं। अन्य क्षेत्रों जैसे चार इमली, समरधा, माता मंदिर, बाणगंगा, अरहेड़ी, एकांत पार्क और कोटरा में भी छोटे-बड़े एसटीपी लगाए जाएंगे। अभी शहर के 10 बड़े नालों का गंदा पानी सीधे बड़े तालाब, छोटे तालाब और बेतवा नदी में पहुंच रहा है। नए प्लांट शुरू होने के बाद यह पानी पहले उपचारित किया जाएगा और फिर जल स्त्रोतों में छोड़ा जाएगा। इससे जल गुणवत्ता में सुधार होगा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

नवरात्रि के पहले दिन संपत्ति की चाह

शुभ मुहूर्त में जमकर बिकी प्रॉपर्टी एक दिन में हुईं 653 रजिस्ट्री

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

हिंदू नववर्ष व चैत्र नवरात्र के शुभ मुहूर्त में गुरुवार को रियल एस्टेट बाजार में उछाल देखने को मिला। पहले ही दिन पंजीयन कार्यालयों में प्रॉपर्टी के खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी, जिन्होंने शुभ मुहूर्त का लाभ उठाते हुए वर्तमान दरों पर प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाई हैं। बता दें कि जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 में प्रॉपर्टी के दामों में वृद्धि करने की चर्चा भी तेज हो गई है और जल्द ही प्रस्ताव पर शासन की सहमति के बाद एक अप्रैल से नई दरें लागू हो जाएंगी।

जानकारी के अनुसार आइएसबीटी,परी बाजार और बैरसिया स्थित पंजीयन कार्यालयों में गुरुवार सुबह 10 बजे से लोग प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवाने के लिए पहुंचने लगे थे। सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक शुभ मुहूर्त में करीब 400 दस्तावेज रजिस्टर्ड किए गए, जबकि शाम छह बजे तक कुल 653 रजिस्ट्रियां हुई। इनसे पंजीयन विभाग को करीब सात करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के अंतिम दिनों में लोग वर्तमान प्रॉपर्टी की दरों पर रजिस्ट्री करवा रहे हैं तो ऐसे में नवरात्र शुरू होने पर लोगों की संख्या बढ़ गई है।

उम्मीद है कि 31 मार्च तक प्रतिदिन 600 से अधिक रजिस्ट्रियां होंगी, जिनसे विभाग को अच्छा राजस्व मिलेगा। इसके लिए प्रति सब रजिस्ट्रार स्लाट की संख्या 60 से 65 कर दी गई है, जिससे 13 सब रजिस्ट्रार एक दिन में 800 रजिस्ट्री कर सकेंगे। भूखंड और आवास के अधिक सौदे नवरात्र के शुभ मुहूर्त में लोग भूखंड और आवास की खरीद-फरोख्त कर रहे हैं। ऐसे

में सबसे अधिक रजिस्ट्री इन्हीं प्रॉपर्टी की हुई हैं, जिनमें 40 से 50 प्रतिशत मकानों की रजिस्ट्रियां शामिल हैं। विभाग लोगों की सुविधा के लिए अवकाश के दिन शनिवार-रविवार को भी पंजीयन कार्यालय खोल रहा है, जिससे कि लोग अपने समयानुसार प्रॉपर्टी की रजिस्ट्री करवा सकें।

गेहूं की फसल काटने को तैयार

भोपाल। राजधानी सहित आसपास के जिलों में गेहूं की फसल कटने के लिए तैयार है, लेकिन बदलते मौसम से किसानों की चिंता बढ़ गई है। उन्हें फसल खराब होने की चिंता सता रही है।

वसूली बढ़ाने निगमायुक्त ने बदली व्यवस्था

नगर निगम ने सिर्फ 264 करोड़ का राजस्व वसूला, 10 दिन में वसूलना होगा 136 करोड़

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

नगर निगम को वित्तीय वर्ष 2025-26 में राजस्व वसूली के लिए 400 करोड़ रुपये का लक्ष्य मिला है। निगम विगत 11 महीने 20 दिन में कुल 264 करोड़ राजस्व ही वसूल सका है। मार्च महीने में कुल 10 दिन शेष हैं। लक्ष्य पूरा करने के लिए इन 10 दिनों में निगम अधिकारियों को अभी 136 करोड़ की वसूली करनी है। उल्लेखनीय है कि नगर निगम को संपत्तिकर, जलकर, भवन अनुमति, होर्डिंग, पार्किंग, मनोरंजन कर, सफाई कर, कचरा कर आदि मदों से राजस्व मिलता है।वित्तीय वर्ष के अंतिम मार्च माह में राजस्व वसूली के लिए विशेष अभियान चलाए जा रहे हैं। प्रत्येक वार्ड में दो-दो कर्मचारियों को घर-घर भेजा जा रहा है। बकाया कर वसूली के लिए लोगों को जानकारी दी जा रही है साथ ही बड़े बकायादारों पर निगम कुर्की और नीलामी की कार्रवाई कर रहा है। निगमायुक्त संस्कृति जैन ने राजस्व वसूली के काम से क्षेत्रीय अधिकारियों (जेडओ) और वार्ड प्रभारियों को अलग कर विधानसभा स्तर पर राजस्व अधिकारी तैनात किए हैं। यह परिवर्तन क्षेत्रीय अधिकारियों और वार्ड प्रभारियों की मिलीभगत से राजस्व चोरी एवं काम के प्रति उदासीनता तथा लापरवाही के कारण किया गया।

निगमायुक्त ने लम्बे समय से टैक्स एवं अन्य शुल्क जमा नहीं करने वाले मैरिज गार्डन संचालकों ने को सीधे सील किए जाने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने अधिकारियों की बैठक लेकर कहा कि जिन मैरिज हॉल, होटल या बैंक्वेट हॉल में 50 से अधिक लोगों का आयोजन होता है, उनके लिए लाइसेंस अनिवार्य होगा। बिना लाइसेंस संचालित संस्थानों की पहचान कर नोटिस थमाने के निर्देश भी दिए थे।

गीता के मंत्र से परीक्षा के तनाव से मुक्तिः डॉ. गोस्वामी

भोपाल। सरोजिनी नायडू शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, शिवाजी नगर, भोपाल (एसएनजीसी) के प्राचार्य डॉ. सुरेन्द्र बिहारी गोस्वामी ने कहा है कि परीक्षा के तनाव से मुक्त होने के लिए गीता के मंत्र का हमेशा ध्यान रखना चाहिए। वे यहां अर्थशास्त्र विभाग द्वारा छात्राओं के लिए परीक्षा की तैयारी और तनाव प्रबंधन विषय पर आयोजित व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने छात्राओं को तनाव मुक्त रहने के लिए श्रीमद्भगवत गीता के श्लोक कर्म किए जा फल की इच्छा मत कर का मूल मंत्र दिया और कहा कि हमें अपने अध्ययन पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। आपने युवाओं में बढ़ते तनाव के दुष्परिणामों से भी छात्राओं को आगाह किया और तनावमुक्त रहने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों की महत्ता पर प्रकाश डाला। छात्राओं को दिया मार्गदर्शन व्याख्यान में विषय-विशेषज्ञ के रूप में भूगोल की विभागाध्यक्ष डॉ कुसुम माथुर एवं मनोविज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ संतोष रलवानिया ने छात्राओं को परीक्षा की तैयारी करने एवं तनाव मुक्त रहने के उपायों के बारे में मार्गदर्शन किया। अर्थशास्त्र की विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना गौड़ ने भी छात्राओं को संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रीति पचौरी ने किया।

25 मार्च को परिणाम हो सकता है घोषित

5-8वीं परीक्षाओं का मूल्यांकन कार्य पूर्ण

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

मध्यप्रदेश में पांचवीं और आठवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन पूर्ण हो चुका है। अधिकारियों के बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार 25 मार्च को परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने की संभावना है।

बता दें कि इस वर्ष प्रदेश के सरकारी और निजी स्कूलों के करीब 25 लाख विद्यार्थियों ने पांचवीं और आठवीं की परीक्षा दी है। इनका मूल्यांकन कार्य पूर्ण हो चुका है। मूल्यांकन के लिए करीबन 30 हजार शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई। राज्य शिक्षा केंद्र के अपर संचालक डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि मूल्यांकन कार्य पूर्ण हो गया है। लक्ष्य है कि 25 मार्च को परिणाम घोषित कर दिए जाएं। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने छात्रों को

तीन विषयों में अपना प्रदर्शन सुधारने का मौका मिलेगा। एलओसी जमा करने की प्रक्रिया शुरू होगी चुकी है। तीन फेज में दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए इच्छुक विद्यार्थियों की लिस्ट स्कूल जमा करेंगे। एलओसी तीन चरणों में चलेगा। 31 मार्च तक चलेगा। मुख्य परीक्षा के परिणाम घोषित होने के बाद 5 दिनों के भीतर फीस भुगतान करना होगा। एलओसी सबमिशन के लिए दूसरा चरण भी रिजल्ट जारी होने के अगले दिन शुरू होगा। यह प्रक्रिया 5 दिनों तक चलेगी। तीसरा चरण रिजल्ट घोषित होने के बाद 7 वें दिन शुरू होगा, इसके लिए लेट फीस भी लगेगी।

राज्य शिक्षा केंद्र ने राजधानी के चार मूल्यांकन केंद्रों पर 800 से अधिक शिक्षकों को करीब साढ़े तीन लाख उत्तरपुस्तिकाओं की जांच करनी है। जांच में पाया गया कि करीब 70 शिक्षक मूल्यांकन केंद्रों पर अनुपस्थित रहे, जिसके बाद उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया गया है। बता दें कि शिक्षकों ने उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन करने के बाद मौके पर ही अंकों को ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करते गए। हालांकि कई केंद्रों पर नेटवर्क समस्या आई, लेकिन तत्काल समस्या का समाधान कर मूल्याकंन कार्य पूरा किया गया।

सुन्नी और शिया मस्जिदों में अलग-अलग इंतजाम

कल मनेगी ईद, नमाज का समय तय हुआ, फित्रा की दरें घोषित

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

रमजान के 29वें रोजे के बाद शहर में ईद का चांद नजर नहीं आया। मोती मस्जिद सहित विभिन्न स्थानों पर रूयते हिलाल कमेटी ने तस्दीक की, लेकिन कहीं से भी चांद दिखने की पुष्टि नहीं हुई। इसके बाद शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने 30 रोजे पूरे होने के चलते शनिवार को ईद-उल-फितर मनाने का ऐलान किया है। गुरुवार रात तरावीह की आखिरी नमाज अदा की गई, जबकि शुक्रवार को जुमातुल विदा की नमाज होगी, जो इस रमजान का पांचवां जुमा भी है।

मसाजिद कमेटी की बैठक में ईद की नमाज के समय निर्धारित किए गए हैं। ईदगाह में सुबह 7.30 बजे, जामा मस्जिद में 7.45 बजे, ताजुल मसाजिद में 8 बजे और मोती मस्जिद में 8.15 बजे नमाज अदा की जाएगी। अन्य मस्जिदों में यह समय 8.30 बजे रहेगा। फित्रा गेहूं के हिसाब से प्रति व्यक्ति लगभग 70 रुपए तय किया गया है। वहीं जौ और खजूर के अनुसार यह राशि अलग हो सकती है। चांदी के वर्तमान भाव के आधार पर अधिकतम फित्रा करीब 1650 रुपए निर्धारित किया गया है। अशोका गार्डन स्थित सकलैनी जामा मस्जिद कमेटी ने ऐलान किया है कि चांद नजर नहीं आने के चलते 21 मार्च को ईद-उल-फितर अकीदत के साथ मनाई जाएगी। कमेटी के सदर सूफी नूरुद्दीन सकलैनी ने बताया कि मस्जिद में हर साल की तरह इस बार भी दो जमात में नमाज अदा की जाएगी। पहली नमाज सुबह 7.45 बजे और दूसरी सुबह 8.30 बजे होगी। उन्होंने बताया कि यह मस्जिद अहले सुन्नत वल जमात का प्रमुख मरकज है, जहां दूर-दराज से लोग नमाज के लिए आते हैं। जगह सीमित होने के कारण दो बार नमाज कराई जाती है। सकलैनी ने लोगों से अपील की कि ईद के मौके पर जरूरतमंदों और गरीबों का खास ध्यान रखें। ईद-उल-फितर के मौके पर शिया समुदाय की मस्जिदों और इमामबाड़ों में नमाज के समय तय कर दिए गए हैं। अलग-अलग स्थानों पर सुबह 7 बजे से 9 बजे तक नमाज अदा की जाएगी। अलकापुरी भेल और कमला नगर स्थित अज़ाखानों में सुबह 7 बजे नमाज होगी। करोंद और फतेहगढ़ इमामबाड़ा में 8.30 बजे नमाज अदा की जाएगी। इमामी गेट पर 8.45 बजे और रेलवे स्टेशन स्थित इरानी इमामबाड़ा में सुबह 9 बजे नमाज रखी गई है।

मेट्रो एंकर

एनलाल जैन 'स्वदेशी' सम्मान से विभूषित हुए प्रवीण गुगनानी

साहित्यकार राष्ट्रीयता के बोध को केंद्र में रख सृजन करें- हेमंत मुक्तिबोध

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दुष्यंत स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय के तत्वाधान में आयोजित एनलाल जैन स्वदेशी सम्मान बैतूल के साहित्यकार प्रवीण गुगनानी को प्रदान किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव ने की और बतौर मुख्य अतिथि साहित्यकार चिंतक हेमंत मुक्तिबोध उपस्थित रहे। ज्ञातव्य है कि एनलाल जैन बैतूल जिले के प्रसिद्ध शिक्षाशास्त्री और संवेदनशील साहित्यकार रहे हैं। जिनकी उंगली पकड़कर साहिब राव राजुरकर जैसे कई छात्रों ने साहित्य और साहित्य की दुनिया की बारहखड़ी सीखी थी। उनके प्रेरणास्रोत का दायरा सम्पूर्ण बैतूल जिले में फैला था। उन्होंने लंबे समय तक 'ताप्ती के तेवर' पत्रिका का संपादन किया और 'वीणा के तार' एवं 'अनुभूति की रेखाएं' काव्य संग्रह प्रकाशित हुए। उनकी स्मृति में पहला सम्मान बैतूल के साहित्यकार प्रवीण गुगनानी को प्रदान किया गया। प्रवीण गुगनानी समकालीन हिंदी साहित्य और शिक्षण क्षेत्र से जुड़े एक सक्रिय व्यक्तित्व हैं। वे मुख्यतः लेखन, चिंतन और शैक्षिक गतिविधियों के माध्यम से समाज में वैचारिक जागरूकता

फैलाने के लिए जाने जाते हैं। सर्वप्रथम एनलाल जैन की पुत्री करुणा राजुरकर ने पिता का स्मरण करते हुए कहा कि हमारे बाबू जिनका जन्म छिंदवाड़ा में था परन्तु उनकी कर्मभूमि बैतूल जिला रही थी इसलिए उनकी स्मृति में यह सम्मान इन दो जिलों की साहित्यिक विभूतियों को प्रदान किया जाता है। श्री गुगनानी में कहा कि एनलाल जैन एक कुटुंब प्रणाली की उत्पत्ति थे और उन्होंने परिवार प्रथा को मज़बूत करने हेतु समर्पित भाव से कार्य किया था। वे कृषकाय लेकिन पक्की धारणा के व्यक्ति थे। मैं उनके नाम का सम्मान प्राप्त कर अनुगृहीत हूं। रामराव वामनकर ने एनलाल जैन की स्मृतियों को साझा करते हुए कहा कि वे दुष्यंत संग्रहालय के अध्यक्ष भी रहे थे। संग्रहालय से जुड़ी नीतियां बनाने मे उनका महती योगदान हमेशा स्मरणीय रहेगा। लक्ष्मीकांत जवणे ने संस्मरण साझा करते हुए बताया कि एनलाल जैन और प्रवीण गुगनानी मुलताई में ज़मीन से जुड़े सामाजिक सरोकार के प्रमुख व्यक्तित्व थे। अशोक निर्मल ने बताया कि अपनी स्मृतियों को साझा किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष की आसंदी से बोलते हुए मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि करुणा जी ने पिता जी स्मृति में सम्मान स्थापित कर साहित्यिक पितृऋण का उतारा किया है। जो निश्चित ही सराहनीय कदम है। मुख्य अतिथि हेमन्त मुक्तिबोध ने कहा कि आज हम पहचान के संकट से गुज़र रहे हैं। एनलाल जैन जैसे महानुभाव एक ऐसी पहचान रखते थे जो भारतीय परंपरा से जाकर जुड़ती थी।

सीएम मोहन यादव ने गुड़ी पड़वा पर किया जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ

139 दिनों तक चलेगा जल अभियान, जल स्रोतों के संरक्षण के लिए किए जाएंगे कार्य

इंदौर, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नव संवत्सर एवं गुड़ी पड़वा के अवसर पर इस्कॉन मंदिर, इंदौर के परिसर स्थित तालाब में गंगा जल अर्पित कर ÷जल गंगा संवर्धन अभियान÷ (तृतीय चरण) का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की खुशहाली और समृद्धि के लिए प्रार्थना की और गौ-पूजन किया।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा गुड़ी पड़वा पर प्रारंभ हुए जल गंगा संवर्धन अभियान के अभियान के अंतर्गत प्रदेश के सभी जिलों, नगरीय निकायों और ग्राम पंचायतों में जनसहभागिता से जल एवं जल स्रोतों के संरक्षण के लिए कार्य किए जाएंगे। अभियान का समापन 30 जून 2026 को होगा। अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारी सरकार ने पहले वर्ष में 30 दिन, दूसरे वर्ष में 120 दिन और मौजूदा तीसरे वर्ष में गुड़ी पड़वा से गंगा दशहरा तक 139 दिनों तक प्रदेशभर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान हमारी सनातन संस्कृति की सबसे पवित्र धारा का अभियान है। जल की महत्ता ऐसी है कि इसके बिना कोई जीवित नहीं रह सकता है। शरीर 5 तत्वों से मिलकर बना है। पानी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। गुड़ी पड़वा, विक्रम संवत्, चेटीचंड, चैत्र नवरात्रि सभी त्योहारों की बधाई देता हूं। इस अवसर पर प्रदेश में तीसरी बार जल गंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ हुआ है। मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, जहां से 250 से अधिक नदियां निकलती हैं। मां नर्मदा के पवित्र जल से मध्यप्रदेश के साथ-साथ गुजरात में भी आनंद की धारा बह रही है।

इंदौर को दी अनेकों विकास कार्यों की सौगात

इंदौर वासियों को विकास कार्यों की सौगात देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर में अमृत 2.0 परियोजना के अंतर्गत सिंगल विलक के माध्यम से 12.72 करोड़ लागत से बिलावली तालाब, 4.89 करोड़ लागत से लिम्बोदी तालाब, 3.82 करोड़ लागत से छोटा सिरपुर तालाब के जीर्णोद्धार कार्यों का भूमि-पूजन सहित कुल 22 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में जल की बर्बादी रोकने और एक-एक बूंद बचाने के लिए शपथ दिलवाई। जल ही जीवन है, जल है तो कल है के मूल मंत्र के साथ जागरूकता फैलाना है। हमारी नदियां शरीर की रक्त धमनियों की तरह है, जो पृथ्वी माता को जीवन देती हैं। ब्रह्मांड में जल के महत्व से हम सभी परिचित हैं। अगर जीवन को सफल करना है तो प्राचीन समय के कुएं, नदियां, तालाब, बावड़ी का जीर्णोद्धार करना है, जिनका सम्राट विक्रमादित्य, लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर, महाराज सिंधिया ने निर्माण कराया था। इंदौर में 21 बावड़ियों का जीर्णोद्धार कराया गया है।

हमारी नदियां शरीर की रक्त धमनियों की तरह

सीएम ने कहा कि इंदौर के जानापाव से निकली चंबल आगे बढ़कर यमुना में मिलकर गंगा जी की धारा को समृद्ध करती है। हमारी नदियां शरीर की रक्त धमनियों की तरह है, जो पृथ्वी माता को जीवन देती हैं। ब्रह्मांड में जल के महत्व से हम सभी परिचित हैं। उन्होंने कहा कि अगर जीवन को सफल करना है तो प्राचीन समय के उन कुएं, नदियां, तालाब, बावड़ी का जीर्णोद्धार करना होगा, जिनका सम्राट विक्रमादित्य, लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर, महाराज सिंधिया ने निर्माण कराया था। उन्होंने बताया कि इंदौर में 21 बावड़ियों का जीर्णोद्धार कराया गया है।

भोपाल की प्राइम लोकेशन पर हाउसिंग बोर्ड बेचेगा संपत्ति

आज से दो दिन तक मेला लगाकर देंगे जानकारी, विजिट और बुकिंग भी कर सकेंगे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश हाउसिंग बोर्ड भोपाल की प्राइम लोकेशन पर अपनी प्रॉपर्टी बेचेगा। दो दिन तक आवास मेला लगाकर लोगों को जानकारी दी जाएगी। लोग साइट विजिट के साथ बुकिंग भी करा सकेंगे। पर्यावास भवन में आयोजित यह मेला आज और कल लगेगा। राजधानी में उपलब्ध हाउसिंग बोर्ड की सभी प्रॉपर्टी की यहां जानकारी मिलेगी। साथ ही संपत्ति की तत्काल बुकिंग भी होगी। मेले में भोपाल की सभी नई और पुरानी प्रॉपर्टी की जानकारी एक छत के नीचे मिलेगी। मेले में फ्री साइट विजिट की सुविधा और फ्री में बुकिंग फॉर्म भरने की सुविधा भी रहेगी।

ये सुविधा मिलेगी

फ्री साइट विजिट
ऑन द स्पॉट होम लोन
तत्काल बुकिंग सुविधा
भोपाल में हाउसिंग बोर्ड की प्राइम लोकेशन पर प्रॉपर्टी है।
भोपाल में हाउसिंग बोर्ड की प्राइम लोकेशन पर प्रॉपर्टी है।

सभी अपकमिंग प्रोजेक्ट की जानकारी मिलेगी

आवास मेले हाउसिंग बोर्ड अपने सभी आने वाले प्रोजेक्ट की भी जानकारी उपलब्ध कराएगा। बोर्ड देवकीनगर, बैरसिया रोड, करोंद में 10 एकड़ में प्लॉट का प्रोजेक्ट ला रहा है। वहीं अयोध्या नगर में डुप्लेक्स, ट्रिप्लेक्स, फ्लैट के 5 नये प्रोजेक्ट आने वाले हैं। इस तरह के सभी प्रोजेक्ट की जानकारी मेले में मिलेगी।

कटारा हिल्स में 186 प्लाटों की चल रही बुकिंग

कटारा हिल्स में सफायर पार्क सिटी प्रोजेक्ट में बोर्ड 34 एकड़ में आवासीय प्लॉट का प्रोजेक्ट लाया है। इस प्रोजेक्ट में बुकिंग चल रही है। इसमें अलग-अलग साइज के 186 प्लॉट रखे गए हैं। 1300 स्क्वेयर फीट से लेकर 7000 स्क्वेयर फीट तक के 5 साइज के प्लॉट हैं। इस प्रोजेक्ट में एसटीपी से लेकर अंडरग्राउंड बिजली के तार तक सभी आधुनिक सुविधायें उपलब्ध होंगी। अयोध्या एक्सटेंशन में सुरम्य परिसर और लवकुश हाईट्स फ्लेट्स के प्रोजेक्ट निर्माणाधीन हैं। सुरम्य परिसर में 250 फ्लेट बन रहे हैं और इनमें बुकिंग चालू है। वहीं, लवकुश हाईट्स में भी निर्माण और बुकिंग चल रही है। खजूरीकलां फेज-2 में 147 डुप्लेक्स और ट्रिप्लेक्स घरों में भी बुकिंग चल रही है। इन सभी मकानों की बुकिंग मेले में होगी।

8 हजार करोड़ से ज्यादा दबाकर बैठे एमपी के महाडिफॉल्टर

देश की टॉप-10 विलफुल डिफॉल्टर लिस्ट में इंदौर, खरगोन-धार की कई कंपनियां

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश भर में इरादतन ऋण ना चुकाने वालों की टॉप- 10 लिस्ट में मध्य प्रदेश की कंपनियां न केवल शामिल हैं, बल्कि वे अरबों रुपए का बकाया दबाकर बैठी हैं। संसद में 2014 से लेकर 2025 तक के ऐसे लोन न चुकाने वालों की जानकारी मांगी गई थी। 27 फरवरी 2026 तक के आंकड़ों के अनुसार, अकेले एमपी से जुड़ी टॉप-2 कंपनियों पर ही 8,34,919 लाख (करीब 8,349 करोड़ रुपए) का कर्ज बकाया है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, 31 मार्च 2025 की स्थिति में देश के शीर्ष 10 डिफॉल्टरों में एमपी से जुड़ी कंपनियां इस लिस्ट में शामिल हैं।

इसका रजिस्टर्ड ऑफिस इंदौर (सपना संगीता रोड) में है और मुख्य फैक्ट्री खरगोन जिले के बड़वाह में स्थित थी। कंपनी ने कई बैंकों से वर्किंग कैपिटल और टर्म लोन लिया, लेकिन उसे व्यवसाय में लगाने के बजाय अन्यत्र डाइवर्ट करने का आरोप है। इसे 2014 से ही विलफुल डिफॉल्टर की श्रेणी में रखा गया है।

बैंक ने इसे इरादतन चूककर्ता घोषित कर इसकी संपत्तियों को कुर्क किया है। वर्तमान में यह कंपनी परिसमापन की प्रक्रिया में है। प्रमोटरों के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह कंपनी धार जिले के पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र (सेक्टर-1) में स्थित है और इसका कॉर्पोरेट ऑफिस इंदौर के तुकोगंज में रहा है। इस कंपनी पर बैंक लोन की किश्तें जानबूझकर न चुकाने और वित्तीय अनियमितताओं के गंभीर आरोप हैं।

मध्य प्रदेश से जुड़ी कंपनियों का वर्षवार बकाया और विवरण

जूम डेवलपर्स प्राइवेट लिमिटेडः एमपी का सबसे पुराना और बड़ा 'महाडिफॉल्टर' - देश के टॉप-10 बकाएदारों में शामिल जूम डेवलपर्स का मध्य प्रदेश से गहरा नाता है और इसके खिलाफ जांच एजेंसियों की सबसे बड़ी कार्रवाइयां हुई हैं। जूम डेवलपर्स का पंजीकृत कार्यालय इंदौर (यसंवत निवास रोड) में स्थित है। यह कंपनी RoC-ग्वालियर के पास पंजीकृत है। इसके प्रमोटर विजय चौधरी का मुख्य कार्यक्षेत्र इंदौर ही रहा है। संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, यह कंपनी वर्ष 2014, 2015 और 2016 में देश के टॉप-10 इरादतन चूककर्ताओं की सूची में पहले स्थान पर थी ।

बकाया राशि का ग्राफ
2014 : 1,89,030 लाख
2018 : 1,65,657 लाख
2022 : 2,16,617 लाख

एजेंसियों का एक्शन और बड़े आरोप

जूम डेवलपर्स के खिलाफ भारत की लगभग सभी बड़ी जांच एजेंसियों ने कार्रवाई की है। ईडी, सीबीआई, इंटरपोल और बैंकों ने जूम डेवलपर्स के खिलाफ एक्शन लिए हैं।
प्रवर्तन निदेशालय : ईडी ने इस कंपनी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का बड़ा मामला दर्ज किया था । जांच में पाया गया कि कंपनी ने बैंकों से कर्ज लेकर उसे विदेशों में फर्जी कंपनियां बनाकर डाइवर्ट कर दिया। ईडी ने इंदौर सहित देश के अन्य शहरों में इनकी करोड़ों की संपत्तियां कुर्क की हैं।
सीबीआई : सीबीआई ने बैंकों के साथ धोखाधड़ी और जालसाजी के आरोप में कंपनी के प्रमोटरों के खिलाफ कई एफआईआर (स्रङ्क) दर्ज की हैं ।
इंटरपोल : कंपनी के प्रमोटर विजय चौधरी के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस भी जारी किया गया था।
बैंकों की कार्रवाई: बैंकों ने इसे विलफुल डिफॉल्टर घोषित किया है और वर्तमान में यह कंपनी परिसमापनकी प्रक्रिया में है ।

तीन राज्यों में क्रॉस वोटिंग से एमपी कांग्रेस की बढ़ी चिंता

राज्यसभा चुनाव से पहले सियासी गणित बदला

भोपाल, दोपहर मेट्रो

देश के दूसरे राज्यों में राज्यसभा सीट को लेकर क्रास वोटिंग की घटना ने मध्य प्रदेश की सियासत में हलचल तेज कर दी है। मध्यप्रदेश में तीन में से दो सीटों पर भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है, जबकि तीसरी सीट पर मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है।

यह सीट फिलहाल कांग्रेस के पास है, लेकिन पार्टी के सामने इसे बरकरार रखना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। हाल ही में बिहार, हरियाणा और ओडिशा में राज्यसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस विधायकों की क्रॉस वोटिंग की घटनाओं ने मध्यप्रदेश कांग्रेस की चिंता बढ़ा दी है।

आगामी राज्यसभा चुनाव में प्रदेश की तीन सीटों पर मतदान होना है, ऐसे में पार्टी के भीतर सतर्कता बढ़ गई है। बिहार में मतदान के दौरान कांग्रेस के तीन विधायक अनुपस्थित रहे, जबकि हरियाणा और ओडिशा में कुछ विधायकों ने विरोधी दल के उम्मीदवारों के पक्ष में वोट किया। इन घटनाओं ने कांग्रेस नेतृत्व को अलर्ट कर दिया है, खासकर मध्यप्रदेश में होने वाले चुनाव को लेकर। वर्तमान में तीन में से दो सीटों पर अभी भाजपा से डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी और जॉर्ज कुरियन सांसद हैं। तीसरी सीट कांग्रेस के पास है, जिस पर दिग्विजय सिंह सांसद है। बता दें दिग्विजय सिंह पहले ही साफ कर चुके है कि वह दोबारा राज्यसभा जाने के इच्छुक नहीं है। ऐसे में तीसरी सीट पर मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है।

मध्यप्रदेश में क्या है गणित?| मध्य प्रदेश में विधानसभा की कुल 230 सीटें हैं। अभी तीन राज्य सभा सीटे खाली होने वाली हैं। एक सीट जीतने के लिए 58 वोट जरूरी हैं। भाजपा के पास अभी 164 विधायक हैं। इस गणित पर भाजपा दो सीटें आसानी से जीत सकती है। वहीं, कांग्रेस के पास फिलहाल 65 विधायक हैं, जो घटकर 63 तक पहुंच सकते हैं।
तीसरी सीट पर टिकी नजर| तीसरी सीट को लेकर मुकाबला दिलचस्प होने की संभावना है। अगर भाजपा तीसरी सीट जीतना चाहती है, तो उसे कम से कम 8 विधायकों की क्रॉस वोटिंग या अतिरिक्त समर्थन की जरूरत पड़ेगी। वहीं, कांग्रेस को आशंका है कि यदि क्रॉस वोटिंग होती है या भाजपा अतिरिक्त उम्मीदवार उतारती है, तो उसका गणित बिगड़ सकता है।

मप्र को प्राप्त हुई समग्र शिक्षा बजट की चौथी किश्त

भोपाल। केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के द्वारा मध्यप्रदेश को समग्र शिक्षा की चौथी और अंतिम किश्त भी जारी कर दी गई है। देश के बड़े राज्यों में मध्यप्रदेश पहला राज्य है जिसे इस केन्द्रीय योजना की चौथी किश्त जारी की गई है। इस उपलब्धि पर स्कूल शिक्षा और परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने विभागीय सहयोगियों को बधाई देते हुए कहा कि, यह उपलब्धि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में स्कूली शिक्षा के लिए प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता और निरन्तर किए जा रहे संवेदनशील प्रयासों को दर्शाती है। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में पूरी लगन और तत्परता से कार्य कर रही है।

त्योहारः पुलिसकर्मियों की छुट्टियों पर रोक विशेष परिस्थितियों में ही मिलेगा अवकाश

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में आगामी प्रमुख धार्मिक त्योहारों को देखते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस विभाग ने सख्त कदम उठाया है। पुलिस मुख्यालय भोपाल से जारी आदेश के अनुसार प्रदेशभर में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है। जारी आदेश में कहा गया है कि प्रदेश में आने वाले समय में प्रमुख धार्मिक त्योहार पड़ रहे हैं। ऐसे में सांप्रदायिक सौहार्द और कानून-व्यवस्था को बनाए रखना प्राथमिकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के अवकाश अगले आदेश तक निरस्त कर दिए गए हैं। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि किसी कर्मचारी को अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में अवकाश की जरूरत होती है, तो संबंधित पुलिस अधीक्षक या जोनल पुलिस महानिरीक्षक सीमित अवधि के लिए छुट्टी स्वीकृत कर सकेंगे। वहीं,

सभी इकाइयों को निर्देश

यह आदेश विशेष शाखा, जोनल आईजी, पुलिस कमिश्नर भोपाल-इंदौर, जिला पुलिस अधीक्षकों और रेल पुलिस सहित सभी इकाइयों को भेजा गया है, ताकि पूरे प्रदेश में एक समान रूप से इसका पालन सुनिश्चित किया जा सके। पुलिस मुख्यालय के आदेश से साफ है कि त्योहारों के दौरान प्रदेश में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाएगी और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

खाकी में आध्यात्मिक शांति का संचार

देवास पुलिस ने अपनाया तनाव मुक्त पुलिसिंग का मंत्र

भोपाल । मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा पुलिसकर्मियों के मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ करने एवं जनसेवा में संवेदनशीलता बढ़ाने की दिशा में एक अभिनव एवं प्रेरणादायक पहल में दिनांक 19 मार्च को थाना औद्योगिक क्षेत्र, देवास में एक विशेष ध्यान एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन पुलिस महानिदेशककैलाश मकवाणा एवं पुलिस महानिरीक्षक श्रीमती रुचि वर्धन मिश्रा के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक देवास श्री पुनीत गहलोत के नेतृत्व से हुआ। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण विश्व विख्यात आध्यात्मिक गुरु एवं हार्टफुलनेस संस्थान के प्रणेता श्री कमलेश डी. पटेल ('दाजी') की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने पहली बार किसी पुलिस थाने में पहुंचकर पुलिसकर्मियों के साथ सीधे संवाद किया एवं ध्यान सत्र का संचालन किया।कार्यक्रम के दौरान 'दाजी' ने पुलिसकर्मियों को ध्यान के माध्यम से मानसिक तनाव को नियंत्रित करने, भावनात्मक संतुलन बनाए रखने एवं सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के व्यावहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि हर रविवार का 30 मिनट का ध्यान, पूरे सप्ताह की चुनौतीपूर्ण ड्यूटी के लिए मानसिक कवच का कार्य करता है।

मेट्रो एंकर | एलपीजी किल्लत से बेफिक्र है जबलपुर का बंदरकोला गांव

75 फीसदी घरों में एलपीजी की जरूरत नहीं, गोबर का हो रहा उपयोग

जबलपुर, दोपहर मेट्रो

एलपीजी की किल्लत को लेकर आम उपभोक्ता परेशान है। कोई कतार में खड़ा है तो कोई जुगाड़ लगाकर सिलिंडर लेने के लिए सड़कों पर भटक रहा है। इस बीच जबलपुर के एक गांव के लोग इस समस्या से काफी दूर हैं। इसकी वजह यहां के लगभग 75 फीसदी घरों में एलपीजी से नहीं बल्कि गोबर गैस से चूल्हा जलता है। दरअसल, बरगी विधानसभा क्षेत्र के बंदरकोला गांव के लोग इस समय एलपीजी सिलिंडर के लिए परेशान नहीं हैं, बल्कि वे दूसरों के लिए उदाहरण बन रहे हैं। इनके घरों में 24 घंटे बायो गैस की सप्लाई हो रही है। लगभग ढाई हजार की जनसंख्या वाले इस गांव में करीब चार सौ से अधिक घर हैं। इनमें 300 ऐसे घर हैं, जिनके आंगन में गोबर गैस प्लांट लगे हैं, जिससे यहां की महिलाएं एलपीजी की चिंता से काफी हद तक मुक्त हैं।

एलपीजी संकट के बीच यह गांव अब एक रोल मॉडल के रूप में सामने आ रहा है। इस गांव में रहने वाली महिलाएं बताती हैं कि उन्हें इस समय एलपीजी की किल्लत की खबर है, लेकिन वे खुद को खुशनसीब मानती हैं कि इस संकट में भी वे इससे दूर हैं।

गांव में ही रहने वाली नीता पटेल बताती हैं कि उनके गांव में ऐसी कोई समस्या नहीं है। आज अधिकतर घरों में बायो गैस प्लांट लगे होने से जरूरत के समय गैस उपलब्ध हो जाती है और आराम से खाना बन जाता है। उनका कहना है कि बायो गैस का उपयोग आसान और सस्ता है, इसलिए यदि संभव हो तो लोगों को भी अपने घरों में बायो गैस प्लांट लगाना चाहिए।

आंगन से सीधे रसोई तक गैस की सप्लाई

इस गैस की उपलब्धता के लिए कहीं कोई बड़ा कदम या संयंत्र लगाने की जरूरत नहीं है। पाइपलाइन के माध्यम से यह गैस सीधे किचन तक पहुंचती है और चूल्हा जलाने में उपयोग होती है। अजय पटेल का कहना है कि प्लांट लगाने के बाद उन्हें कभी एलपीजी सिलेंडर खरीदने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि एक सच यह भी है कि आज कई घरों में गाय नहीं है, जिससे कुछ ग्रामीणों ने गोबर की उपलब्धता न होने की वजह से अपने प्लांट बंद कर दिए थे। इसके बाद उन्होंने एलपीजी का उपयोग शुरू कर दिया था, लेकिन अब एलपीजी की किल्लत और बढ़ती कीमतों के चलते कई लोगों ने अपने बंद पड़े बायो गैस प्लांट फिर से चालू कर दिए हैं।

सरपंच की पहल से बदली गांव की तस्वीर

गांव में गाय होने की वजह से गोबर की पर्याप्त उपलब्धता है, लेकिन आज से करीब 13 साल पहले ऐसा नहीं था। किसी घर में गोबर गैस प्लांट नहीं हुआ करता था, लेकिन इसकी शुरुआत वर्ष 2013 में पूर्व सरपंच अजय पटेल ने की। उन्होंने सबसे पहले अपने घर में गोबर गैस प्लांट लगाया। घर में गाय होने के कारण गोबर की पर्याप्त उपलब्धता थी, जिससे प्लांट आसानी से चलने लगा। धीरे-धीरे यह प्रयोग पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गया और ग्रामीणों ने भी इसे अपनाना शुरू कर दिया।

डिजिटल भरोसे का संकट

तकनीक ने हमारे जीवन को जितना आसान बनाया है, उतना ही जटिल भी। सोशल मीडिया, डिजिटल पेमेंट और ऑनलाइन कनेक्टिविटी ने दुनिया को हमारी हथेली में ला दिया है। लेकिन इसी दुनिया में एक खामोश खतरा तेजी से आकार ले रहा है- ऐसा खतरा जो अब केवल जेब नहीं, बल्कि भरोसे को निशाना बना रहा है। हाल ही में मेटा की रिपोर्ट ने एक असहज सच्चाई सामने रखी है- भारत अब अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी नेटवर्क्स का दूसरा सबसे बड़ा शिकार बन चुका है। यह आंकड़ा केवल डिजिटल विस्तार की कहानी नहीं, बल्कि हमारी बढ़ती असुरक्षा का आईना भी है। कभी ठगी का मतलब होता था संदिग्ध कॉल या अजनबी ईमेल। आज तस्वीर बदल चुकी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ने ठगों को वह ताकत दे दी है, जिससे वे हमारी भाषा बोल सकते हैं, हमारी पसंद समझ सकते हैं और यहां तक कि हमारी भावनाओं के साथ खेल सकते हैं। फर्जी प्रोफाइल अब सिर्फ नकली तस्वीरों तक सीमित नहीं हैं। वे एक पूरी जिंदगी जीते हुए नजर आते हैं- उनकी कहानियां, उनके वीडियो, उनकी बातचीत- सब कुछ इतना वास्तविक कि संदेह करना भी मुश्किल हो जाता है। ऐसे में सवाल यह नहीं कि ठग कितने चालाक हैं, बल्कि यह है कि क्या हम उनके सामने तैयार हैं? आज के स्कैम केवल तकनीकी नहीं, मनोवैज्ञानिक भी हैं। पहले विश्वास जीता जाता है, फिर उसे भुनाया जाता है। रोमांस के नाम पर रिश्ते बनाए जाते हैं, निवेश के नाम पर सपने दिखाए जाते हैं, और फिर धीरे-धीरे शिकार को उस स्थिति में पहुंचाया जाता है जहां वह खुद अपने पैसे सौंप देता है। बातचीत को सोशल मीडिया से हटाकर निजी प्लेटफॉर्म्स जैसे वॉट्सऐप पर ले जाना इस रणनीति का अहम हिस्सा है- जहां निगरानी कम होती है और भरोसा ज्यादा। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि अब ये अपराध बिखरे हुए नहीं हैं। वे संगठित हैं, प्रशिक्षित हैं और योजनाबद्ध हैं। हालिया खुलासों में सामने आया है कि विदेशी गिरोह भारत जैसे देशों को टारगेट कर रहे हैं, जहां तेजी से बढ़ती डिजिटल आबादी और सीमित जागरूकता उन्हें आसान अवसर देती है। यह केवल अपराध नहीं, एक उभरता हुआ 'अंडरग्राउंड उद्योग' है- जहां एआई, डेटा और मानव मनोविज्ञान का खतरनाक मिश्रण तैयार किया जा रहा है। सरकारें, कंपनियां और एजेंसियां अपने स्तर पर कार्रवाई कर रही हैं- लाखों फर्जी अकाउंट्स हटाए जा रहे हैं, नेटवर्क तोड़े जा रहे हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या यह पर्याप्त है? डिजिटल सुरक्षा केवल नीतियों या तकनीक से नहीं आएगी, बल्कि नागरिकों की जागरूकता से आएगी। हर यूजर को यह समझना होगा कि 'बहुत अच्छा ऑफर' अक्सर एक जाल होता है, और हर अनजान लिंक एक संभावित खतरा।

युद्ध के माहौल के बीच संघ और रॉ पर बैन की मांग, भारत विरोधी डीप स्टेट की नई साजिश

मृत्युंजय दीक्षित
स्तंभकार

युद्ध के वैश्विक वातावरण के बीच अमेरिका में भारत विरोधी डीप स्टेट गतिविधियां भी चल रही हैं। विभिन्न अवरोधों व वैश्विक उथल-पुथल के बाद भी भारत तीव्रता के साथ आगे बढ़ रहा है। विश्व भर के निवेशकों की दृष्टि भारत पर है और यह बात भारत विरोधी शक्तियों को पसंद नहीं आ रही है। अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी प्रशासन से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारत की खुफिया एजेंसी रॉ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। अमेरिकी आयोग की यह रिपोर्ट भारत के खिलाफ गहरी सुनियोजित साजिश के अंतर्गत तैयार की गई रिपोर्ट है जो भारत की सम्प्रुभता पर तीखा परोक्ष हमला है। भारत के मुख्य विरोधी दल कांग्रेस ने अपनी परंपरा के अनुरूप विदेशी आयोग की इस भारत विरोधी मांग का समर्थन किया है।

अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता आयोग ने अपनी रिपोर्ट में संघ और रॉ के कामकाज पर सवाल खड़े करते हुए ट्रम्प प्रशासन से इन दोनों पर प्रतिबंध लगाने को कहा है। आयोग का कहना है कि संघ लोगों की धार्मिक आजादी के लिए खतरनाक है। ये धर्म के आधर पर भेदभाव बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि आयोग की रिपोर्ट में संघ पर तुरंत प्रतिबंध लगाने, संपत्ति को जब्त करने और संघ के लोगों के अमेरिका में प्रवेश को प्रतिबंधित करने की मांग की गई है। कांग्रेस ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट से आगे जाकर कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद सरदार पटेल ने संघ को भारत में प्रतिबंधित किया। संघ मनुस्मृति से देश को चलाने की वकालत करता है, संघ संविधान विरोधी है, देश की एकता और भाईचारे के लिए जहर है।

अमेरिका का धार्मिक स्वतंत्रता आयोग वर्ष 1998 में अमेरिकी कांग्रेस द्वारा बनाया गया एक स्वतंत्र आयोग है। यह विश्व भर में धार्मिक स्वतंत्रता की निगरानी करता है और अमेरिकी सरकार को केवल सुझाव देता है। अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट और कांग्रेस द्वारा उनका समर्थन करने पर किसी भी राष्ट्रभक्त नागरिक को हैरानी नहीं हुई है क्योकि कांग्रेस पार्टी लम्बे समय से भारत विरोधी टूल किट क्रियान्वित कर रही है। कांग्रेस का वर्तमान नेतृत्व गुलामी की मानसिकता से ग्रस्त है। कांग्रेस का दिल पाकिस्तान के लिए ही धड़कता है। कांग्रेस राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की तुलना मुस्लिम ब्रदरहुड जैसे कुख्यात आतंकी संगठन से कर चुकी है। कांग्रेस को पता होना चाहिए कि जैसे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ हर विपरीत परिस्थिति में राष्ट्र व समाज की सेवा करता रहा है वैसे ही भारत की खुफिया एजेंसी रॉ भारत की सेवा करते हुए भारत को अनेकानेक आंतरिक और वाह्य खतरों से बचाती है। आश्चर्य की बात है कि जब बांग्लादेश में हिंदुओं का निर्मम नरसंहार हो रहा था, हिंदू महिलाओं पर बर्बर अत्याचार, बलात्कार व हत्याएं हो रही थीं, 700 से अधिक मंदिरों का विध्वंस कर दिया गया तब इस तथाकथित धार्मिक आयोग की घिग्घी बंध गई थी। तब भारत व संपूर्ण विश्व में हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए किसी ने आवाज उठाई थी तो वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या उससे जुड़े समवैचारिक संगठन ही थे। आज पाकिस्तान, बांग्लादेश व अफगानिस्तान के हिंदू 'गायब' हो चुके हैं अर्थात अल्पसंख्यक से भी बहुत कम हो गए हैं, यह आयोग इन देशों में हिन्दुओं के धार्मिक अधिकारों के लिए क्यों नहीं बोलता?

भारत ने अमेरिकी धार्मिक अयोग की रिपोर्ट सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, अमेरिकी आयोग के लिए यह बेहतर होगा कि वह अमेरिका में हिंदू मंदिरों पर तोड़फोड़ और हमलों की परेशान करने वाली घटनाओं, भारत को निशाना बनाने, वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के प्रति बढ़ती असिहष्णुता और उन्हें डराने-धमकाने के मामलों पर विचार करे। अमेरिकी आयोग पूर्वाग्रह से ग्रसित है और यह उसका एक सुनियोजित एजेंडा है। अमेरिका तथा वहां के तथाकथित आयोग को यह बात अच्छी तरह से पता होनी चाहिए कि भारत की 140 करोड़ से अधिक की आबादी में हर धर्म के अनुयायी रहते हैं। भारत सह अस्तित्व मे भरोसा करता है। भारत में कांग्रेस व वामपंथी दलों की राजनीतिक दुकान विदेशी आयोगों की झूठ पर आधारित रिपोर्टों के सहारे ही चलती है। राहुल गांधी ऐसे नेता प्रतिपक्ष हैं जो विदेशों में जाकर भारत के संविधान, संसद व न्यायपालिका तक की आलोचना करते हैं। भारत जब पाकिस्तान पर स्ट्राइक करता है तो वे सेना व सरकार से सबूत मांगने निकल पड़ते हैं। आज वो एक विदेशी आयोग की झूठी रिपोर्ट के समर्थन में खड़े हैं। ऑपरेशन सिंदूर के समय भी कांग्रेस ने संसद में सरकार का साथ नहीं दिया। कांग्रेस पार्टी ने अमेरिकी आयोग की रिपोर्ट का समर्थन कर अपनी मंशा को स्पष्ट कर दिया है कि वह भारत को कमजोर करने के लिए किसी भी हद तक जा सकती है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एकमात्र संगठन है जो विश्व भर में हिन्दुओं के साथ होने वाली अप्रिय घटनाओं पर आवाज उठाता है। संघ ही है जो हिंदू समाज की सेवा कर रहा है। आज मजहबी ताकतें धन-बल और पशु-बल द्वारा भारी संख्या में हिन्दुओं का मतांतरण करा रही हैं अगर उसकी कोई रोकथाम कर रहा है तो वह संघ ही है। यही कारण है कि संघ पर प्रतिबंध की मांग फिर से उठाई गई है। संघ शताब्दी वर्ष के अवसर पर संघ ने करोड़ों घरों में संपर्क किया और एक नई हिन्दू चेतना का संचार हुआ। भारी संख्या में जेन-जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ व समवैचारिक संगठनों के साथ जुड़ रहा है। दूसरी ओर कांग्रेस के साथ लोग जुड़ नहीं रहे अपितु दूर भाग रहे हैं। संभवतः संघ से ईर्ष्या के वशीभूत होकर भी कांग्रेस ने अमेरिकी आयोग की भारत विरोधी रिपोर्ट का समर्थन किया हो।

अमेरिकी आयोग को संघ व भारतीय खुफिया एजेंसी रॉ के विषय में अनर्गल टिप्पणियां करने से पूर्व अपने गिरेबान में झांकना चाहिए। अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग में भारत विरोधी व पाक परस्त लोगों का प्रभुत्व है, राहुल गांधी इनकी प्रोपेगंडा मशीनरी का हिस्सा बन गए हैं। भारत के विपक्षी दलों को समझना चाहिए कि वे सरकार के प्रतिपक्षी हैं न कि भारत देश के।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

विश्व गौरैया दिवस

शांति और सद्भावना का संदेश लाने वाली प्रकृति की नन्हीं दूत है यह चिड़िया

रमेश सर्राफ धमोरा
स्तंभकार

विश्व गौरैया दिवस नन्हीं घरेलू गौरैया और अन्य पक्षियों को समर्पित है। गौरैया की संख्या में हो रही तीव्र गिरावट के बारे में जागरूकता पैदा करने और लोगों को इन परिचित पक्षियों की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु यह दिवस प्रतिवर्ष 20 मार्च को मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का उद्देश्य गौरैया संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करना और उनके लिए अपने आसपास के माहौल को बेहतर करना है। विश्व गौरैया दिवस 2026 एक बार फिर दुनिया को याद दिलाएगा कि आम पक्षियों को भी देखभाल और उसपर ध्यान दिए जाने की आवश्यकता है। कभी उपेक्षित समझी जाने वाली गौरैया अब कई कस्बों और शहरों से गायब हो रही हैं, जो इस दिन को रोजमर्रा की जैव विविधता और स्थानीय पारिस्थितिक तंत्र के स्वास्थ्य के प्रति चिंता का प्रतीक बनाती है।

गौरैया मानव इतिहास के सबसे परिचित पक्षियों में से एक हैं। वे घरों, खेतों, बाजारों और शहरी सड़कों के पास पाई जाती हैं। उनकी उपस्थिति यह दर्शाती है कि किसी क्षेत्र में अभी भी पर्याप्त भोजन, सुरक्षित घोंसले बनाने की जगह और बुनियादी पारिस्थितिक संतुलन मौजूद है। गौरैया की मधुर चहचहाहट कई देशों में सुबह और शाम के जीवन का अभिन्न अंग रही है। गौरैया छोटे, फुर्तीले पक्षी होते हैं जो 4 से 7 इंच तक लम्बे होते हैं। उनके गोल शरीर और छोटी मजबूत चोंच होती हैं जो खुले बीजों को तोड़ने के लिए उपयुक्त होती हैं। उनके पंखों पर धारियां या गहरे रंग के धब्बे होते हैं। यह हल्की भूरे रंग या सफेद रंग में होती है। इसके शरीर पर छोटे-छोटे पंख और पीली चोंच व पैरों का रंग पीला होता है। जब बच्चा कुछ समझने लगता है तो सर्वप्रथम उसको घर के आंगन में सबसे अधिक जो पक्षी देखने को मिलता है वह नन्हीं चिड़िया यानी गौरैया होती है। यह चिड़िया बचपन से हमारी साथी बन जाती है जो बच्चों के इर्द-गिर्द घूमती रहती है और अपनी मीठी आवाज से उन्हें आकर्षित करती रहती है। गौरैया बच्चों के हाथ से कई बार खाने की वस्तु भी झपट कर ले जाती है। छोटे बच्चे उन्हें पकड़ने के लिए उसके पीछे दौड़ते हैं और वह फुर्र से उड़कर ऊपर बैठ जाती है। गांव-देहातों में यह आज भी देखने को मिल जाता है। मगर शहरों में अब ऐसा नजारा शायद ही कहीं देखने को मिलता होगा। गौरैया मनुष्य के आसपास रहना पसंद करती है। यह लगभग हर तरह की जलवायु पसंद करती है पर पहाड़ी स्थानों में कम दिखाई देती है। शहरों, कस्बों, गांवों और खेतों के आसपास यह बहुतयात से पाई जाती है। नर गौरैया के सिर का ऊपरी भाग नीचे का भाग और गालों पर पर भूरे रंग का होता है। गला चोंच और आंखों पर काला रंग होता है और पैर भूरे होते हैं। मादा के सिर और गले पर भूरा रंग नहीं होता है। नर गौरैया को चिड़ा और मादा चिड़ी या चिड़िया भी कहते हैं।

गौरैया पक्षियों के पैसर वंश की एक जीव वैज्ञानिक जाति है जो विश्व के अधिकांश भागों में पाई जाती है। आरम्भ में यह एशिया, यूरोप और भूमध्य सागर के तटवर्ती क्षेत्रों में पाई जाती थी। लेकिन मानवों ने इसे विश्वभर में फैला दिया है। यह मनुष्यों के समीप कई स्थानों में रहती हैं। पिछले कुछ सालों में शहरों में गौरैया की कम होती संख्या पर चिन्ता प्रकट की जा रही है। आधुनिक स्थापत्य की बहुमंजिली इमारतों में गौरैया को रहने के लिए जगह नहीं मिल पाती। कभी बड़ी संख्या में हमारे साथ रहने वाली गौरैया अब धीरे-धीरे बहुत कम होती जा रही है। मगर जीवन की भागदौड़ में किसी का ध्यान इनकी घाटी संख्या की तरफ नहीं जा रहा है। बच्चों की सबसे नजदीकी मित्र गौरैया जिस तेजी से कम होती जा रही है उससे लगता है आने वाले समय में यह कहीं विलुप्त ना हो जाए। इसलिए हम सबको मिलकर गंभीरता से ऐसे प्रयास करने चाहिए जिससे गौरैया को संरक्षण मिल सके और उनकी संख्या में फिर से बढ़ोतरी प्रारंभ हो सके। गौरैया चिड़िया को घरेलू चिड़िया भी कहा जाता है क्योंकि यह घरों के अंदर भी घोसले बनकर रह लेती है। ये मानव और प्रकृति के लिए बहुत उपयोगी है। क्योंकि यह कीड़ों को खाती है जिससे कीड़े पौधों को नुकसान नहीं पहुंचा पाते हैं। गौरैया ऐसी चिड़िया है जो पर्यावरण के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा धर्मशास्त्र के मुताबिक गौरैया का आपकी छत पर आना आपके लिए शुभ होता है। जानकारों का कहना है कि यह चिड़िया शांति और सद्भावना का संदेश लेकर आती है।

गौरैया की संख्या में कमी के पीछे बेतहाशा कीटनाशक का प्रयोग को माना जा रहा है। गौरैया के प्रजनन के लिए अनुकूल आवास में कमी को भी इसकी संख्या में कमी का एक कारण माना जा रहा है। कच्चे घरों का तेजी से कंक्रीट के जंगलों में तब्दील होने से शहरों में इनके प्रजनन के लिए अनुकूल आवास नहीं मिलते हैं। यही वजह है कि एक ही शहर के कुछ इलाकों में ये दिखती है तो कुछ में नहीं। गौरैया संरक्षण में जुड़े लोग कृत्रिम घर बनाकर गौरैया को प्रजनन के लिए आवास देने की पहल चला रहे हैं। इसमें गौरैया अंडे देने के लिए आ भी रही हैं। जहां तक गौरैया का सवाल है यह इन्सानों की दोस्त तथा किसानों की मददगार है। गौरैया इन्सान के साथ रहते हुए उन्हें सुख-शांति प्रदान करती हैं। बच्चों का बचपन इसके साथ खेलते हुए गुजरता है। लेकिन हम इन्सानों ने ही इसे अपने से दूर कर दिया है। भारत में पक्षियों की कुल मिलाकर 1250 प्रजातियां हैं। जिनमें से 85 प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर हैं। जिसमें गौरैया का भी नाम शामिल है। गौरैया का सुरक्षित रखना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह खेतों की फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को खा लेती है। जिससे किसान की फसल खराब होने से बच जाती हैं। गौरैया अपना घोंसला इंसानों के करीब बनाती है। इससे उनके घोंसले उजाड़ दिए जाते हैं। बढ़ता वायु प्रदूषण भी इन पक्षियों के लिए मुसीबत है इसलिए जरूरी है कि हम अभी से यह समझने की कोशिश करें कि छोटी-सी गौरैया हमारे जीवन के लिए कितनी अहम है। ऐसे में उसकी रक्षा हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अलर्ट

तंबाकू, फैमिली हिस्ट्री और कुछ दवाओं से हो सकता है किडनी कैंसर का हाई रिस्क!

गुर्दे के कैंसर में किडनी के ट्यूबूल्स की सेल्स असामान्य तरीके से बढ़ने लगती हैं। इसे रीनल सेल कार्सिनोमा भी कहा जाता है। अधिकतर मरीजों को इसका खतरा बढ़ाने वाले फैक्टर्स के बारे में पता नहीं होता और यही हाल देश के हर कोने का है।

किडनी कैंसर का सबसे प्रमुख और साबित हो चुका रिस्क फैक्टर तंबाकू है। तंबाकू के अंदर मौजूद कार्सिनोजेन खून में पहुंच जाते हैं। जब किडनी पेशाब बनाने के लिए खून को फिल्टर करती है तो यह टॉक्सिन गुर्दे के अंदर जम जाते हैं। इसके बाद फैक्टर है मोटापा। बॉडी फैट इंसुलिन और इंसुलिन लाइक ग्रोफजैसे कुछ हॉर्मोन का उत्पादन ज्यादा करते हैं। यह हॉर्मोन सेल डिवीजन को बढ़ाने और सेल डेथ के नष्ट होने की प्रक्रिया को कम करने का काम करते हैं।

मेडिकल रिस्क फैक्टर: एक्यूआयर्ड सिस्टिक किडनी डिजीज की कंडीशन हेरेडिटरी पॉलीसिस्टिक किडनी डिजीज से अलग है। ACKD एंड-स्टेज रीनल डिजीज और किडनी कैंसर के 5 से 8 प्रतिशत मामले परिवार से मिलने वाले जेनेटिक म्यूटेशन से जुड़े होते हैं। इसके अलावा बिना किसी सिंड्रोम के भी परिवार में किडनी कैंसर का इतिहास होना भी खतरा बढ़ाता है। अगर आपके किसी फर्स्ट-डिग्री रिलेटिव को किडनी कैंसर है तो आपको इसके होने का खतरा दोगुना होता है।

कुछ दवाओं का सेवन : इस बात के सबूत मिल चुके हैं कि कुछ ओवर-द-काउंटर दर्द निवारक दवाओं का ज्यादा उपयोग करने से किडनी कैंसर का खतरा बढ़ता है। खासकर फेनासेटिन साल्ट वाली दवाएं ज्यादा बड़ा रिस्क फैक्टर हैं, जिन्हें कई देशों में बैन कर दिया गया है। हालांकि, कुछ स्टडी में ड्यूरेटिक्स दवाओं व अन्य पेन किलर्स की हाई डोज और किडनी कैंसर में संबंध भी बताया गया है।

किडनी कैंसर से बचाव के लिए तंबाकू का इस्तेमाल बिल्कुल बंद करें। शारीरिक वजन को कंट्रोल करें। अपना बीएमआई नॉर्मल रेंज (18.5-24.9) में रखें। फल, सब्जियां, साबुत अनाज से भरपूर और कम रेड मीट वाली हेल्दी व बैलेंस्ड डाइट खाएं। डॉक्टर की मदद से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल में रखें। पर्याप्त पानी पीकर शरीर को हाइड्रेट रखें। दर्द निवारक दवाओं को डॉक्टर की सलाह के बिना ना खाएं। अपनी फैमिली हिस्ट्री को समझें और डॉक्टर से बात करके खतरा कम करने के लिए कदम उठाएं।

सुविचार

किस्मत के पन्ने वही पलटता है जो दिन रात मेहनत करता है।

-अज्ञात

निशाना

लोग दुनियां को बुरा कहते हैं..!

रामकिशोर नाविक

गीत ग़ज़लों का नशा करता हूँ
दर्द के दर पे बसा करता हूँ
अश्क अनमोल बिखर ना जायें
ग़म के धागों से कसा करता हूँ
सबकी नज़रों से बचाकर खुदको
हमने देखा है मिटाकर खुदको
लोग दुनिया को बुरा कहते हैं
अपनी नज़रों से हटाकर खुदको
हमने यादों का चमन छोड़ दिया
झूठे वादों का चलन छोड़ दिया
हमको भाती है रात की स्याही
चांद तारों का सपन छोड़ दिया।

सोशल मीडिया

फेसबुक का तय इनकम वाला 'क्रिएटर फास्ट ट्रैक' लॉन्च , एक लाख फॉलोअर्स पर हजार डॉलर!

फेसबुक, 'क्रिएटर फास्ट ट्रैक ' नाम से नया प्रोग्राम लॉन्च कर रहा है। इसका मकसद यूट्यूब, इंस्टा और टिकटॉक जैसे प्लेटफॉर्म्स के स्थापित क्रिएटर्स को अपने प्लेटफॉर्म पर लाना है। उन्हें गारंटीड पेमेंट देने के साथ ही उनके कंटेंट की रीच को बढ़ाकर फेसबुक पर उन्हें ग्रो करने में मदद करना है। फेसबुक ने बताया है कि पिछले साल उसने अपने मॉनटाइजेशन प्रोग्राम के तहत क्रिएटर्स को लगभग 3 बिलियन डॉलर यानी 25 हजार करोड़ रुपये का पेमेंट किया, जो पहले से 35 फीसदी ज्यादा है और अब तक का सबसे बड़ा वार्षिक नंबर है। रिपोर्टों के अनुसार, नए प्रोग्राम को लॉन्च करके कंपनी उन क्रिएटर्स को लुभाना चाहती है जो यूट्यूब और टिकटॉक जैसे अन्य प्लेटफॉर्म्स पर पॉपुलर हैं।

3 महीने की गारंटीड पेमेंट: फेसबुक ने बताया है कि क्रिएटर्स को उसके प्लेटफॉर्म पर आकर जीरो से शुरुआत करने की जरूरत नहीं है। उनकी एलिजिबल रील्स को ज्यादा लोगों तक पहुंचाया जाएगा जिससे उन्हें फॉलोअर्स बढ़ाने में मदद मिलेगी। फेसबुक पर एलिजिबल रील्स को शेयर करने के लिए कंपनी 3 महीने की गारंटीड पेमेंट भी देने जा रही है। प्रोग्राम में शामिल होने वाले क्रिएटर्स को हर महीने 1 हजार डॉलर यानी लगभग 83 हजार रुपये की कमाई हो सकती है अगर उनके इंस्टा या टिकटॉक या यूट्यूब अकाउंट पर कम से कम 1 लाख फॉलोअर्स हैं। इसी तरह अगर किसी के 1 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं तो उसे 3 हजार डॉलर यानी ढाई लाख रुपये महीने तक कमाई हो सकती है।

तुरंत मॉनटाइजेशन: ऐसे क्रिएटर्स जो योग्य यानी एलिजिबल हैं और फेसबुक पर पहली बार आ रहे हैं तो उन्हें फेसबुक की सामान्य शर्तों को पूरा नहीं करना होगा जैसे न्यूनतम फॉलोअर्स नहीं चाहिए होंगे। उन्हें तुरंत मॉनटाइजेशन टूल्स का एक्सेस मिल जाएगा। इससे उनकी कमाई शुरू हो जाएगी और 'क्रिएटर फास्ट ट्रैक' प्रोग्राम खत्म होने के बाद भी वो अपने कंटेंट से कमाई करते रहेंगे। आप यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर स्थापित क्रिएटर हैं, लेकिन फेसबुक पर नहीं तो आपको फेसबुक पर अपनी ऑडियंस बनाने दी जाएगी। 3 महीने तक फेसबुक सपोर्ट करेगा यानी गारंटीड पेमेंट दी जाएगी। उसके बाद गारंटीड पेमेंट बंद हो जाएगी, लेकिन फेसबुक आपकी रीच को तब तक बढ़ाता रहेगा जबतक आपकी ऑडियंस तैयार नहीं हो जाती।

नया कंटेंट बनाना जरूरी नहीं: फेसबुक ने कहा है कि क्रिएटर्स को नया या एक्सक्लूसिव कंटेंट बनाने की जरूरत नहीं है। हालांकि कंपनी चाहती है कि क्रिएटर नया और बेहतरीन कंटेंट लेकर आएं लेकिन अगर वह पुराना हिट कंटेंट भी फेसबुक पर डालते हैं तो उसे भी पसंद किया जाएगा। प्रोग्राम में शामिल किया जाएगा। कुल मिलाकर कंपनी दूसरे प्लेटफॉर्म्स के हिट क्रिएटर्स को अब अपने यहां लाना चाहती है।

अजब - गजब

तीन मिनट के लिए मौत का सामना, फिर हुआ गजब की शक्तियों के साथ महिला का पुनर्जन्म

मौत के बाद क्या होता है? यह एक ऐसा सवाल है जिसका जवाब विज्ञान के पास भी पूरी तरह नहीं है। लेकिन अमेरिका के ओरेगन की रहने वाली लुइसा पेक का दावा है कि उन्होंने न सिर्फ मौत के बाद की दुनिया देखी है, बल्कि वहां से वे कुछ खास शक्तियां लेकर वापस लौटी हैं।

बता दें कि 1982 में वो सिर्फ 22 साल की थीं, जब एक नाइटक्लब में ज्यादा ड्रग्स लेने के कारण उन्हें दिल का दौरा पड़ा और वे 'क्लीनिकली डेड' घोषित हो गईं। लुइसा ने कहा कि उस वक्त उनकी आत्मा शरीर से बाहर निकलकर आसमान में किसी रॉकेट की तरह उड़ने लगी थी। उस सफर के दौरान उन्होंने मैनहट्टन के ऊपर उड़ान भरी और समुद्र की गहराइयों में गोता लगाया। आखिर में वे एक नीले रंग के घर के पास पहुंचीं, जिसे वे अपने 'पूर्वजों का घर' बताती हैं। लुइसा ने कहा, 'वहां मुझे अपने पूर्वजों की मौजूदगी और उनकी खुशी महसूस हो रही थी। मैंने देखा कि उस घर के फर्श की लकड़ी पीढ़ियों के चलने से घिसकर पाउडर बन चुकी थी।

इसके बाद वे एक तेज रोशनी के भीतर समाती चली गईं, जहां उन्हें असीम शांति का अनुभव हुआ, लेकिन तभी एक रहस्यमय तरीके से आई आवाज ने उनसे 6 शब्दों का एक मैसेज देते हुए कहा, 'तुम यहां नहीं रुक सकती, तुम्हारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। तीन मिनट तक बेसुध रहने के बाद जब लुइसा होश में आईं, तो उनकी दुनिया पूरी तरह बदल चुकी थी। इस पुनर्जन्म यानी दोबारा जिंदा होने के बाद जो लुइसा पहले कट्टर नास्तिक थीं और रूहानी बातों का मजाक उड़ाती थीं, अब वे भूतों और आत्माओं को महसूस करने लगी थीं। होश में आने के 5 साल बाद उन्होंने पहली बार एक समुद्र तट पर एक बूढ़े आदमी का 'भूत' देखा जो अचानक गायब हो गया। 1993 में उन्हें पहले ही आभास हो गया कि उनके परिवार में एक अजन्मे बच्चे की मौत होने वाली है, जो सच साबित हुआ। लुइसा का दावा है कि उनके पास अब 'Spirit Energy' को महसूस करने की शक्ति है।

बता दें कि 1997 में जब उनकी बहन अपनी आखिरी सांसें गिन रही थी, तब उसी रहस्यमयी आवाज ने लुइसा से कहा कि वह अपनी बहन को 'उस रोशनी' के बारे में बताए, ताकि वह शांति से शरीर छोड़ सके। लुइसा ने ऐसा ही किया और उनकी बहन की मौत के तुरंत बाद उन्होंने महसूस किया कि उनकी बहन की रूह कमरे में ही उनके ऊपर मंडरा रही है। आज 65 साल की हो चुकीं लुइसा कहती हैं कि इंसानी शरीर सिर्फ एक मांस की कठपुतली है और हमारा असली अस्तित्व रूहानी है। लुइसा ने अपने एक्सपीरिएंस पर एक किताब भी लिखी है। वे अब मानती हैं कि ब्रह्मांड का आधार प्यार और बुद्धिमत्ता है।

न्यूज विंडो

नवरात्र और हिंदू नववर्ष पर श्रीराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत

बालाघाट। बालाघाट में चैत्र नवरात्र और हिंदू नववर्ष पर छह दिवसीय श्रीराम जन्मोत्सव कार्यक्रम की शुरुआत हुई। पुराना श्रीराम मंदिर ट्रस्ट और विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के संयुक्त तत्वावधान में उत्कृष्ट स्कूल मैदान से विशाल भगवा बाइक रैली निकाली गई। यह रैली नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

बुजुर्गों के सम्मान से ही समाज मजबूत बनता है : कादरी

गंजबासौदा। भारतीय नववर्ष नव संवत्सर एवं ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंधित संस्था मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जीवाजीपुर स्थित रघुकुल वृद्धाश्रम पहुंचकर बुजुर्गों के साथ रोजा इफ्तार किया तथा उनका सम्मान किया। कार्यक्रम की विशेषता यह रही कि रोजेदारों ने पारंपरिक पेय पदार्थों के स्थान पर गाय के दूध और खजूर से रोजा खोला। इस दौरान मंच के पदाधिकारियों ने वृद्धजनों का पुष्पमालाओं से स्वागत कर उनका सम्मान किया। साथ ही वृद्धाश्रम के लिए एक माह की राशन सामग्री भी भेंट की। मंच के राष्ट्रीय सह-संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने कहा कि गाय का दूध स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। उन्होंने कहा कि हजरत मोहम्मद साहब की शिक्षाओं में भी दूध को शिफा बताया गया है। इस अवसर पर शिक्षाविद बालाराम रघुवंशी, जितेन्द्र सिंह सहित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शहर में चैत्र नवरात्रि पर माता के जयकारों से गूंजे मंदिर

गंजबासौदा। चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गहरी श्रद्धा और भक्ति का माहौल देखने को मिल रहा है। नवरात्रि के पहले ही दिन से मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। विशेष रूप से शीतला माता मंदिर में सुबह से ही दर्शन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। श्रद्धालु तड़के ही मंदिर पहुंचकर माता रानी को जल अर्पित कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना कर रहे हैं। पूरे दिन मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना, दुर्गा सप्तशती पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का क्रम चलता रहा। नवरात्रि के अवसर पर शहर के प्रमुख देवी मंदिरों को आकर्षक विद्युत सजावट और फूलों से भव्य रूप दिया गया है, जिससे धार्मिक वातावरण और भी मनोहारी हो गया है। मंदिरों में सुबह और शाम आरती के समय विशेष संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार चैत्र नवरात्रि में माता दुर्गा की पूजा-अर्चना करने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं, इसी आस्था के साथ श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक व्रत रखकर भक्ति में लीन रहेंगे। प्रशासन और मंदिर समितियों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं भी की गई हैं, ताकि दर्शन व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। नवरात्रि पर्व को लेकर पूरे शहर में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना हुआ है तथा श्रद्धालु पूरे उत्साह के साथ इस पावन पर्व को मना रहे हैं।

महामाई महोत्सव: कलाकारों ने बुंदेली लोकगीतों की दी मनमोहक प्रस्तुति

आगड़ दम बागड़ दम, नोन ज्यादा मिर्ची कम से गूंजा पंडाल, कविता शर्मा ने बांधा समां

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

आगड़ दम बागड़ दम, नोन ज्यादा मिर्ची कम जैसे बुंदेली गीतों से प्रसिद्ध लोकगायिका कविता शर्मा ने महामाई महोत्सव में शानदार प्रस्तुति दी। उनके गीतों पर पूरा पंडाल झूम उठा और लोगों ने खूब आनंद लिया। 15 दिवसीय महामाई मेले में हर दिन हो रहे सांस्कृतिक कार्यक्रमों में बुधवार का कार्यक्रम खास रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत सुमित ओरछा की धन्य-धन्य बुंदेलखंड धरा नृत्य-नाटिका से हुई। इसमें छत्रसाल, आला-उदल और रानी दुर्गावती जैसे वीरों की कहानियों को सरल और सुंदर तरीके से दिखाया गया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। इसके बाद मां महामाई के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम शुरू किया गया और कलाकारों का स्वागत किया गया। मंच पर आते ही कविता शर्मा ने एक के बाद एक अपने प्रसिद्ध बुंदेली गीत सुनाए। सिरोंज के मोड़ा तो बड़े चालू जैसे गीतों पर लोग खुद को नाचने से नहीं रोक पाए। उनकी गायकी में बुंदेलखंड की मिट्टी की खुशबू साफ महसूस हो रही थी। कार्यक्रम के दौरान एलईडी स्क्रीन पर दिखाई गई प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी रोचक बना दिया। साथ ही दीपेश पांडेय की नृत्य टीम ने अपने शानदार प्रदर्शन से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए, इस अवसर पर प्रमुख रूप से हरिबाबू भार्गव, रमेश यादव, मनमोहन साहू,रोहिताश्व शर्मा रूपेश यादव, झार सिंह दांगी, पारस तारण, सरसिज शर्मा, ललित कांत चौरसिया, सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

सूर्य को अर्घ्य देकर नवसंवत्सर का स्वागत

नव वर्ष प्रतिपदा के मौके पर महामाई मंदिर में सुबह से ही पूजा-पाठ शुरू हो गया। सुबह करीब 6 बजे विधायक उमाकांत शर्मा ने 12 ब्राह्मणों के साथ मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच उगते सूर्य को अर्घ्य देकर नवसंवत्सर का स्वागत किया, इस दौरान सूर्य भगवान के 12 नामों का उच्चारण कर आरती भी की गई। पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया,

मां इच्छापूर्ति देवी मंदिर समिति के अध्यक्ष बने महेंद्र यादव

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर मीनाक्षी चौक स्थित मां इच्छापूर्ति देवी मंदिर प्रांगण में समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव को मंदिर समिति का अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया। वहीं मंगेश राय को उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में मंदिर के विकास, व्यवस्थाओं और आगामी धार्मिक आयोजनों को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने मंदिर की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं को बढ़ाने पर सहमति जताई। इस दौरान डॉ. श्रवण मालवीय, डॉ. विभोर दुबे, वरिष्ठ भाजपा नेता हंस राय, राजेश तिवारी, एडवोकेट गोविंद दुबे, प्रकाश गौर, हरीश सादवानी, उदय सिंह ठाकुर, चंद्रभान सिंह, वरिष्ठ पत्रकार संजीव खापरे, शैलेन्द्र कौरव, पीताम्बर जोशी, रामभरोस मीना, कपिल चौहान और सुनील गोरे, सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। महेंद्र यादव के अध्यक्ष बनने पर उनके इष्ट मित्रों और परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाइयाँ दीं। श्रद्धालुओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में मंदिर समिति नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगी।

तेज रफ्तार कार ने दो बाइकों को मारी टक्कर, क्षतिग्रस्त

पांढुर्णा। दोपहर मेट्रो

पांढुर्णा के सौसर क्षेत्र के जाम गांव के पास एक तेज रफ्तार कार ने दो बाइक को टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर के बाद कार दोनों बाइकों को सड़क पर करीब 25 फीट तक घसीटते हुए ले गई। घटना के बाद आरोपी कार चालक मौके से फरार हो गया।

धर्म स्थलों में चोरी करने वाला गैंग पकड़ाया बाइक-स्कूटी समेत लाखों का सामान जब्त

टीकमगढ़। दोपहर मेट्रो

जिले के जतारा थाना इलाके के अंतर्गत आने वाले बम्होरी कलां और जतारा क्षेत्र में पिछले चार महीनों से धार्मिक स्थलों पर हो रही चोरियों का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लंबी जांच, मुखबिर और साइबर सेल की मदद से पुलिस ने तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो बाइकों समेत धार्मिक स्थलों से जुड़ा लाखों रुपए का चोरी का माल भी बरामद कर लिया है। पुलिस के अनुसार, करीब चार महीने पहले बम्होरीकला स्थित दाऊ वाले हनुमान मंदिर और जतारा क्षेत्र के अन्य मंदिरों में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटनाएं की गई थी। इस दौरान मंदिरों से पीतल के घंटे, चांदी का मुकुट और अन्य सामान चोरी हुआ था। इस मामले में 14 नवंबर 2025 को पीड़ित 63 वर्षीय राजेश कुमार पाठक निवासी बम्होरीकलां ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें मंदिर से 14 पीतल के घंटे और हनुमान जी का चांदी का मुकुट चोरी होने की जानकारी दी गई थी। इसी प्रकार जतारा थाना इलाके में भी मंदिर से 5 पीतल के घंटे चोरी होने का मामला दर्ज हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया।

जिला सहकारी बैंक ने गबन के दोषी 1 अधिकारी व 2 कर्मियों को किया बर्खास्त

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक नर्मदापुरम ने धोखाधड़ी और गबन के दोषी एक अधिकारी व दो कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। इन तीनों ने अपनी शाखाओं में फर्जीवाड़ा कर बैंक की राशि का गबन किया था। जांच रिपोर्ट में दोषी साबित होने के बाद बैंक स्टाफ उपसमिति ने उन्हें शासकीय सेवा से बर्खास्त करने का फैसला लिया।यह निर्णय कलेक्टर व बैंक प्रशासक सोनिया मीना की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में लिया गया। बैठक में उपायुक्त सहकारिता शिवम मिश्रा व मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय प्रकाश सिंह उपस्थित रहे। खिरकिया शाखा से 43 लाख रुपये की फर्जी एडवाइज जारी कर समायोजन की शिकायत पर लिपिक ज्ञानेश्वर काले (खिरकिया), लिपिक भावना काले (मुख्य शाखा हरदा), शाखा प्रबंधक सुनील धनगर व तत्कालीन समिति प्रबंधक मुकेश गौर को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। नोडल अधिकारी सतीशचंद्र सिटोके की जांच में आरोप सिद्ध होने परज्ञानेश्वर काले को आदेश संख्या 3874 (12.03.2026) से सेवा समाप्त, भावना काले को आदेश संख्या 3877 (12.03.2026) से सेवा समाप्त और मुकेश गौर को आदेश संख्या 3875 (12.03.2026) से सेवा समाप्त की गई है।

हरदा शाखा में 2.77 करोड़ का सिल्क शॉर्टेज....

मुख्य हरदा शाखा में 2.77 करोड़ रुपये के सिल्क शॉर्टेज के मामले में तत्कालीन शाखा प्रबंधक सुदर्शन जोशी व लिपिक/कैशियर भावना काले पर जांच हुई। तीन सदस्यीय दल ने आरोप सिद्ध पाए। जोशी के सेवानिवृत्त होने से दंड संभव न होने पर भावना काले को दोबारा आदेश संख्या 3875 (12.03.2026) से बर्खास्त किया गया। शेष ब्याज राशि 35.46 लाख रुपये की वसूली के लिए सहकारी विधान की धारा 64 के तहत हरदा शाखा प्रबंधक को सक्षम न्यायालय में वाद दायर करने के निर्देश दिए गए।

नर्मदापुरम पुलिस को मिली हाईटेक मोबाइल फॉरेंसिक वैन

अब घटनास्थल पर ही हो सकेगी खून, बाल डीएनए-फिंगरप्रिंट व अन्य सबूतों की जांच

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम पुलिस अब अपराध जांच में और सशक्त हो गई है। उनके पास अब लैब ऑन व्हील्स के रूप में मोबाइल फॉरेंसिक वैन आ गई है, जो घटनास्थल पर ही डीएनए, फिंगरप्रिंट, खून, बाल, हथियार व अन्य सबूतों की प्राइमरी जांच और सुरक्षित संग्रह कर सकेगी।एसपी सांई कृष्णा थोटा ने बताया कि यह वैन अत्याधुनिक है। इसमें सैंपल संग्रह, जांच व इन्वेस्टिगेशन के लिए 70 से अधिक तकनीकी उपकरण लगे हैं, जिनमें फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी, रेफ्रिजरेटर व फिंगरप्रिंट किट शामिल हैं। पहले घटनास्थल पर संसाधनों की कमी या परिवहन में देरी से सैंपल खराब हो जाते थे, लेकिन अब यह वैन उन सभी चुनौतियों का समाधान है। भविष्य में और उपकरण जोड़ने की सुविधा भी है। जिले के सभी अपराध स्थलों पर इसका उपयोग होगा, जिससे जांच तेज होगी, साक्ष्य सुरक्षित रहेंगे और मामले जल्द सुलझेंगे। मोबाइल फॉरेंसिक वैन प्रभारी डॉ. ऋषिकेश यादव ने कहा कि पहले गंभीर मामलों के साक्ष्य थाने या जिला मुख्यालय से इंदौर-भोपाल की फॉरेंसिक लैब भेजने में दिन-हफ्ते लग जाते थे। इस दौरान फिंगरप्रिंट मिट सकते थे या रक्त नमूने दूषित हो सकते थे। अब वैन से मौके पर ही प्रारंभिक जांच होगी, साक्ष्य सुरक्षित इकट्ठे कर लैब भेजे जाएंगे। यह कदम नर्मदापुरम पुलिस को तकनीक-आधारित जांच में अग्रणी बनाएगा।

मेट्रो एंकर जनप्रतिनिधियों ने किया श्रमदान

जल संवर्धन अभियान: अयोध्या बस्ती स्थित सफेद बाबड़ी को किया जाएगा पुनर्जीवित

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

नगरपालिका क्षेत्रांतर्गत जलगंगा संवर्धन अभियान का शुभारंभ किया गया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में वार्ड क्रमांक 21 की अयोध्या बस्ती में हुए कार्यक्रम में जल के प्राचीन स्त्रोतों को पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन से प्रारंभ हुए जल संवर्धन अभियान कार्यक्रम के लाइव प्रसारण को सुनने के लिए प्रशासन ने मंच पर एलईडी की व्यवस्था भी की थी ।

जलगंगा अभियान का शुभारंभ करने के पूर्व मंचासीन अतिथियों ने मां सरस्वती एवं विक्रम संवत प्रारंभ करने वाले उज्जैन के राजा विक्रमादित्य जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम को वरिष्ठ भाजपा नेता संतोष चौरे, नपाध्यक्ष मनमोहन साहू एवं मंडल महामंत्री सुमंत मित्तल ने संबोधित करते हुए नागरिकों को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए महत्व से अवगत कराया। इस अवसर पर अनुविभागीय अधिकारी हरिशंकर विश्वकर्मा ने शासन के जल गंगा अभियान की महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत कराया। जलगंगा अभियान के अंतर्गत नगर पालिका प्रशासन ने विधायक उमाकांत शर्मा के निर्देश पर अयोध्या बस्ती स्थित प्राचीन ओर ऐतिहासिक सफेद बावड़ी का चयन किया है इसके अलावा ओर भी जल संरचनाओं का चयन कर सुधार कार्य किए जाएंगे जिससे प्राकृतिक जल स्त्रोतों को उपयोगी बनाया जा सके। मंचीय कार्यक्रम के उपरांत मानसीन सभी नेताओं ने प्रतीकात्मक रूप से बावड़ी परिसर में पहुंचकर जनभागीदारी से किए जाने वाले कार्य का अवलोकन किया एवं झाड़ू से स्वच्छता भी बनाई। कार्यक्रम का संचालन पूर्व पार्षद सचिन शर्मा एवं आभार नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से नपा उपाध्यक्ष मनोज साईनाथ,टीकाराम शाक्य, धर्मेंद्र जैन,अजमल शेर खान, स्थानीय पार्षद राजा मियां तहसीलदार संजय चौरसिया, शेर सिंह भदौरिया,पप्पू त्यागी सहित नागरिक गण उपस्थित रहें।

नाम मात्र का बस स्टैंड, सड़क पर संचालित हो रहीं जबलपुर रूट की बसें

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

बस स्टैंड पर मालवाहकों का कब्जा, पुलिस प्रशासन द्वारा नहीं की जा रही कार्रवाई, आए दिन लग रहा जाम

नगर में लगभग 15 वर्ष पूर्व निर्मित बस स्टैंड वर्तमान समय में बुनियादी व्यवस्थाओं के अभाव से जूझ रहा हैं, इससे आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नगर का बस स्टैंड दो भागों में विभाजित है–एक जबलपुर मार्ग की बसों के लिए तथा दूसरा दमोह मार्ग की बसों के लिए। हालांकि दमोह बस स्टैंड पर अधिकांश बसें निर्धारित परिसर के भीतर खड़ी होती हैं, जिससे वहां कुछ हद तक व्यवस्था बनी रहती है, लेकिन जबलपुर मार्ग की बसों के संदर्भ में स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

जबलपुर जाने वाली बसों के स्टैंड पर मालवाहकों का कब्जा रहता है जबलपुर जाने वाली अधिकांश बसें बस स्टैंड परिसर में प्रवेश ही नहीं करतीं और मुख्य मार्ग पर ही खड़ी होकर सवारियों को बैठाने एवं उतारने का कार्य करती हैं। इससे मुख्य सड़क पर यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे जाम की स्थिति निर्मित होती है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। साथ ही यात्रियों के लिए खड़े होने या प्रतीक्षा करने की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण उन्हें धूप, बारिश और अन्य असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। इस गंभीर समस्या को लेकर स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार पुलिस विभाग एवं प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया जा चुका है, लेकिन स्थिति में कोई ठोस सुधार देखने को नहीं मिला है। व्यवस्था जस की तस बनी हुई है, जिससे आमजन में असंतोष बढ़ता जा रहा है। इसके अतिरिक्त एक और महत्वपूर्ण समस्या यह है कि नगर में बस चालक अपनी सुविधा अनुसार कहीं भी बस रोककर सवारी बैठाने और उतारने लगते हैं। इससे न केवल यातायात अव्यवस्थित होता है, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। गोलू गोविंदा शिव शंकर ने प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंड की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ किया जाए, सभी बसों को निर्धारित स्थान से ही संचालित करने के लिए बाध्य किया जाए तथा मुख्य मार्ग पर अवैध रूप से बसों के संचालन पर सख्ती से रोक लगाई जाए। इस संबंध में तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर का कहना है कि मेरे संज्ञान में है शीघ्र ही व्यवस्था में सुधार के लिए और बसो का संचालन भी नियत स्थान से हो ऐसा प्रयास करूगी।

न्यूज विंडो

अवैध कोयला उत्खनन पर कार्रवाई के बाद फिर शुरू खेल, सिस्टम पर उठे गंभीर सवाल

शहडोल। जिले की बुढार तहसील एक बार फिर अवैध कोयला उत्खनन को लेकर सुर्खियों में है। कुछ दिन पहले खनिज विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में एक ट्रक और एक जेसीबी को कोयला लोड करते हुए पकड़ा गया था। इस कार्रवाई को लेकर उम्मीद जगी थी कि अब अवैध खनन पर लगाम लगेगी, लेकिन हैरानी की बात यह है कि कार्रवाई के कुछ ही दिनों बाद वही खदानें फिर से सक्रिय हो गईं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बुढार क्षेत्र में तीन प्रमुख स्थानों पर अवैध कोयला उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर यह काम किसके संरक्षण में हो रहा है? चर्चा यह भी है कि इस अवैध कारोबार में पुलिस, राजस्व, खनिज विभाग और कुछ स्थानीय नेताओं की कथित हिस्सेदारी हो सकती है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन जिस तरह से बार-बार कार्रवाई के बाद भी काम जारी है, वह कई संदेह पैदा करता है। और भी गंभीर सवाल तब उठता है जब यह अवैध कोयला सैकड़ों किलोमीटर दूर इंदौर, कटनी, इलाहाबाद और सतना जैसे शहरों तक आसानी से पहुंच रहा है। रास्ते में कई चेकपोस्ट और प्रशासनिक निगरानी के बावजूद इन गाड़ियों पर कोई प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं हो रही? क्या पूरे सिस्टम में कहीं न कहीं मिलीभगत है, या फिर जिम्मेदार विभाग जानबूझकर आंखें मूंदे बैठे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात के अंधेरे में बड़ी संख्या में कोयला लोड ट्रक निकलते हैं, लेकिन कार्रवाई सिर्फ दिखावे तक सीमित रह जाती है। इससे यह सवाल और भी गहरा हो जाता है कि क्या अवैध खनन माफिया ने पूरे रास्ते के तंत्र को प्रभावित कर रखा है। अब जरूरत है कि इस पूरे मामले की उ'च स्तरीय निष्पक्ष जांच हो, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि अवैध कोयला उत्खनन के पीछे कौन-कौन से चेहरे हैं और किस स्तर तक यह नेटवर्क फैला हुआ है। यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह न सिर्फ राजस्व को भारी नुकसान पहुंचाएगा बल्कि कानून व्यवस्था पर भी गंभीर प्रभाव डालेगा।

खेतों में दिखाई दिया तेंदुआ, गेहूं की कटाई के दौरान खेत से निकला

धार। शहर के समीप ग्राम तोरनोद-कालूखेड़ी में प्रकाश पाटीदार के खेत में गेहूं की कटाई के दौरान अचानक एक तेंदुआ निकल आया। तेंदुए को देखते ही खेत में काम कर रहे मजदूरों और किसानों चौंक गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, खेत में हार्वेस्टर से गेहूं की फसल काटी जा रही थी। मशीन के शोर और हलचल के कारण फसल के बीच छिपा बैठा तेंदुआ अचानक बाहर निकला और तेजी से दूसरे खेत की ओर भाग गया। इस दौरान वहां मौजूद किसानों ने अपने मोबाइल फोन से तेंदुए का वीडियो भी बना लिया, जिसमें तेंदुआ साफ तौर पर भागता हुआ दिखाई दे रहा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। तेंदुआ दिखने की सूचना मिलते ही ग्रामीणों में भारी डर का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हो गई। डीएफओ विजयनथम टीआर ने बताया कि तोरनोद में तेंदुआ देखे जाने की पुष्टि हुई है। सूचना मिलते ही तत्काल वन विभाग की टीम और ड्रोन स्क्वाड को मौके पर रवाना किया गया है। इलाके की सर्चिंग की जा रही है। वन विभाग की टीम ने सुरक्षा की दृष्टि से क्षेत्र में पिंजरा लगाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके साथ ही विभाग ने मुनादी कर ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है साथ ही अलर्ट किया है कि कोई भी ग्रामीण अकेला खेत की ओर न जाए। फिलहाल वन विभाग की टीम ड्रोन की मदद से तेंदुए की लोकेशन ट्रैक करने की कोशिश कर रही है ताकि उसे सुरक्षित रेस्क्यू किया जा सके।

टाइगर रिजर्व में जून के अंत तक आएंगे बोत्सवाना के चार और चीते

सोलर करंट से होगी चीतों की सुरक्षा, तार फैंसिंग के साथ लगाया जा रहा सिस्टम

विशाल रजक। तेन्दूखेड़ा

बोत्सवाना से कूनो लाए गए 9 चीतों में से 4 चीतों को वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व (नौरादेही) में शिफ्ट किया जा सकता है। प्रदेश का सबसे बड़े वन्य प्राणी अभयारण्य चीतों का तीसरा घर होगा। यहां जून अंत तक चीते आ जाएंगे। यह देश का पहला ऐसा स्थान होगा, जहां चीता, तेंदुआ और बाघ एक साथ नजर आएंगे। भारत में चीता प्रोजेक्ट अब तीसरे चरण में पहुंच रहा हैं। इसके लिए मध्य प्रदेश के सबसे बड़े वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को चीतों के लिए तैयार किया जा रहा है। यहां घने जंगल, पहाड़, घास के मैदान, पर्याप्त शाकाहारी जानवर विदेशी मेहमान चीतों के

लिए तैयार हैं। संभवत जून में यहां 4 चीतों को इनमें एक नर और तीन मादा को छोड़ा जाएगा। उम्मीद है कि बोत्सवाना से कूनों लाए गए 9 चीतों की खेप में से 4 चीते यहां लाए जाएंगे।

टाइगर रिजर्व में अंतत चीता प्राजेक्ट पर काम शुरू होने जा रहा है यह तय हो गया है कि यहां जून अंत तक चार चीते लाए जाएंगे। मोहली रेंज में चीतों को रखने सॉफ्ट रिलीज व क्वारेंटाइन बोमा (बाड़ा) तैयार कराए जा रहे हैं। सीएम जल्द ही यहां का निरीक्षण करने वाले हैं। बता दें कि वीरांगना दुर्गावती देश का पहला ऐसा टाइगर रिजर्व होगा जहां बिग कैट फैमिली में शामिल तीन बड़े दबंग शिकारी जिनमें बाघ, तेंदुए व चीता शामिल हैं, एक साथ एक जंगल में रहेंगे वाइल्ड लाइफ टूरिज्म की दिशा में चीता प्रोजेक्ट को बेहद खास माना जा रहा है। मोहली में घास के मैदान और छायादार पेड़ मौजूद इसलिए चयन किया गया है।

सुरक्षा के लिए नए इंतजाम

टाइगर रिजर्व में बाघ तेंदुओं की पर्याप्त संख्या है यहां चीतों को लाने से पहले संशय जताया जाता रहा है कि प्रकृति में तीन बिग कैट जब एक साथ जंगल में होंगी तो इनकी सुरक्षा कैसे होगी बहरहाल बाड़े में चीतों की मौजूदगी के दौरान विशेष तरह की तार फैंसिंग की तैयार की जा रही है यहां सोलर सिस्टम लगाए जा रहे हैं इससे चीतों की सुरक्षा के लिए फैंसिंग के ऊपरी हिस्से में तार की सुरक्षा दीवार रहेगी इसमें 24 घंटे 365 दिन हलका करंट रहेगा, जो किसी भी छोटे-बड़े जानवर सहित शिकारियों ने चीतों की सुरक्षा करेगा कोई भी इस करंट की दीवार को पार कर अंदर नही जा सकेगा।

बनाए जा रहे सुरक्षित बाड़े

केंद्र सरकार ने वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीता प्रोजेक्ट के तहत पहले चरण में 5 करोड़ रुपए स्वीकृत किए हैं। इससे मोहली रेंज के खुले घास के मैदानों में करीब 400 हेक्टेयर अर्थात लगभग एक हजार एकड़ में बड़ा बाड़ा बनाया जा रहा है, इसके अंदर अलग-अलग करीब 4 से 8 छोटे बाड़े बनाए जाएंगे, जिनमें चीते रहेंगे। टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर रजनीश सिंह ने बताया कि केंद्र ने टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी ऑफ इंडिया व वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट आफ इंडिया को नोडल एजेंसी है इनकी संयुक्त टीम ने टाइगर रिजर्व में चीतों के लिए मोहली, सिंगपुर और झापन रेंज का चयन किया है टाइगर रिजर्व के अंदर मोहली रेंज में घास के मैदान व छायादार पेड़ हैं, इसलिए यहां बोमा बनाए जा रहे हैं। क्वारेंटाइन बोमा में रखने के एक माह बाद चीतों को साफ्ट रिलीज बोमा में छोड़ा जाएगा। केंद्र व राज्य सरकार से वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में चीतों को बसाने की अनुमति मिल चुकी है। चीतों को रखने के लिए 400 हेक्टेयर में बोमा तैयार किए जाएगा। चीतों की सुरक्षा को लेकर विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं।

तेज हवा के साथ झमाझम बारिश से नगर जलमग्न

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में अचानक मौसम परिवर्तन से किसानों की चिंता बढ़ गई है। गुरुवार दोपहर बाद क्षेत्र में तेज हवा के साथ बूंदाबांदी शुरू हो गई, जिससे खेतों में खड़ी और कटाई के लिए तैयार फसलों को नुकसान की आशंका पैदा हो गई है। आसमान में घने बादल छाए रहने के कारण किसान मौसम को लेकर काफी चिंतित नजर आ रहे हैं। नगर में भी लगभग 6:30 बजे तेज बारिश ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है किसाने के मस्तिष्क पर चिंता की लकीरें साफ नजर आ रही थी किसान कमल नारायण यादव राजकुमार लोधी नरगुँवा महेश मंगलम ने बताया कि यह आफत की बारिश हो गई है वही बारिश तेज आंधी तूफान के कारण विद्युत व्यवस्था भी दोपहर के बाद आती जाती रही मौसम के एकदम बदलाव से गर्मी से लोगों को भी कुछ राहत महसूस हुई वर्तमान समय में गेहूं, चना, मसूर और धनिया जैसी रबी फसलों की कटाई का कार्य जोरों पर चल रहा है। कई किसानों ने अपनी फसल काटकर खेतों में ही रखी हुई है, जबकि कुछ किसान अभी कटाई की प्रक्रिया में लगे हैं। ऐसे में अचानक आई बूंदाबांदी और तेज हवाओं ने उनकी मेहनत पर पानी फेरने का खतरा खड़ा कर दिया है। किसानों का कहना है कि यदि बारिश तेज हो जाती है या लंबे समय तक जारी रहती है, तो कटाई की गई फसल भीगकर खराब हो सकती है, जिससे उत्पादन और गुणवत्ता दोनों पर असर पड़ेगा। वहीं तेज हवा से खड़ी फसल गिरने का भी डर बना हुआ है। मौसम के इस बदलते मिजाज ने एक बार फिर किसानों की परेशानियों को उजागर कर दिया है, और सभी की निगाहें अब आने वाले कुछ दिनों के मौसम पर टिकी हुई हैं।

शिकायतों पर लापरवाही करने वाले अधिकारियों को थमाया नोटिस

डिंडौरी। दोपहर मेट्रो

डिंडौरी में कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया ने सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समय पर निराकरण न करने वाले 12 विभागों के अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। लापरवाह अधिकारियों पर अगले महीने से एक हजार रुपये का जुर्माना लगाने की चेतावनी भी दी है।

जिन अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनमें नगर परिषद सीएमओ डिंडोरी और शहपुरा, स्वास्थ्य विभाग, उद्यानिकी, कृषि, जनजातीय कार्य विभाग, जल संसाधन, श्रम, आरटीओ, एलडीएम, पीडब्ल्यूडी और मत्स्य विभाग के अधिकारी शामिल हैं। कलेक्टर ने इन सभी अधिकारियों को 20 मार्च तक 85 प्रतिशत शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर

तेंदूखेड़ा वन क्षेत्र में बंदरों से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं को रोकने अनूठी पहल

शिक्षक ने पेड़ों पर लगाईं तख्तियां, राहगीरों को किया जागरूक

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

घने जंगलों से गुजरने वाले हाईवे मार्गों पर बंदरों की वजह से हो रही लगातार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए एक सराहनीय पहल सामने आई है। शिक्षक एवं समाजसेवीयो द्वारा जागरूकता अभियान चलाकर वाहन चालकों और राहगीरों को समझाइश दी जा रही है कि वे सड़कों पर खाद्य सामग्री न डालें।

तेंदूखेड़ा उप वनमंडल के अंतर्गत आने वाले , कंसा, सांगा, पांजी मार्ग सहित विभिन्न क्षेत्रों में पिछले कई महीनों से बंदरों के कारण दुर्घटनाएं बढ़ी हैं। इसका मुख्य कारण राहगीरों और बस चालकों द्वारा सड़क किनारे फल-सब्जियां एवं अन्य खाद्य सामग्री डालना है, जिससे बंदर सड़कों पर एकत्रित हो जाते हैं और दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसी समस्या के समाधान के लिए शिक्षक महेंद्र कुमार दीक्षित और मनोहर सिंह ठाकुर ने पहल करते हुए जंगल से गुजरने वाले मार्गों के किनारे पेड़ों पर चेतावनी तख्तियां लगवाई हैं। इन तख्तियों के माध्यम से वाहन चालकों को स्पष्ट संदेश दिया गया है कि वे खाद्य सामग्री सड़क पर न डालें, बल्कि जंगल के अंदर सुरक्षित स्थानों पर ही बंदरों को भोजन उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही दोनों समाजसेवियों ने बस चालकों एवं अन्य वाहन चालकों को रोककर समझाइश दी कि सड़क पर भोजन डालना सीधे तौर पर दुर्घटनाओं को आमंत्रित करता है। उन्होंने अपील की कि सभी लोग जिम्मेदारी निभाते हुए इस आदत में सुधार करें। चैत्र नवरात्रि एवं हिंदू नववर्ष के अवसर पर समाजसेवियों द्वारा जंगल के भीतर जाकर बंदरों के लिए टमाटर, केले, चना आदि खाद्य सामग्री भी डाली गई, जिससे पिछले कुछ दिनों से भूखे बंदरों को राहत मिली। समाजसेवियों ने जिला वन मंडल अधिकारी से भी मांग की है कि जिले के अन्य संवेदनशील क्षेत्रो जैसे तेंदूखेड़ा से तेजगढ़, झलोन से बगदरी तथा तेंदूखेड़ा से तारादेही वन परिक्षेत्र में भी इस प्रकार की चेतावनी तख्तियां लगाई जाएं। साथ ही जंगलों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए टेंचू गड्ढे या सीमेंट की छोटी टंकियां बनाने की आवश्यकता भी जताई गई है, ताकि भीषण गर्मी में वन्यजीवों को पानी मिल सके।

छिंदवाड़ा के श्री विट्ठल मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव का शुभारंभ

छिंदवाड़ा। दोपहर मेट्रो

जिले के पांच घर, चन्दनगांव स्थित प्राचीन श्री विठ्ठल मंदिर में श्रीराम जन्मोत्सव का भव्य शुभारंभ गुरुवार को घट स्थापना के साथ हुआ। बता दें लगभग 269 वर्षों से चली आ रही धार्मिक परंपरा के तहत आयोजित इस उत्सव में क्षेत्र के बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। समिति के सदस्यों ने बताया कि यह मंदिर जिले का एकमात्र प्राचीन विठ्ठल मंदिर है, जहाँ श्री पंढरीनाथ जी स्वयं विराजमान हैं और वर्षों से 24 घंटे अखंड हरिनाम संकीर्तन एवं दही-लाही की परंपरा निभाई जा रही है। मंदिर से जुड़ी मान्यताओं के अनुसार यहां श्रद्धा से आने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

पापा सचिन की तरह भारी बैट यूज करते हैं अर्जुन तेंदुलकर

पंत के सामने किया खुलासा

लखनऊ। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर और उनके बेटे अर्जुन तेंदुलकर के बीच एक और दिलचस्प कनेक्शन सामने आया है। इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी सीजन से पहले अर्जुन ने ऐसा खुलासा किया, जिसे सुनकर लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत भी हैरान रह गए। दरअसल, आईपीएल 2026 से पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के प्री-सीजन कैम्प के दौरान अर्जुन तेंदुलकर और ऋषभ पंत के बीच बातचीत हुई। इस दौरान अर्जुन ने बताया कि वह करीब 1220 ग्राम का भारी बल्ला इस्तेमाल करते हैं। जब ऋषभ पंत ने पूछा कि इतना भारी बैट क्यों, तो अर्जुन तेंदुलकर ने जवाब दिया, हल्का सा भी टच करो तो बॉल उड़ जाती है। पापा 1310-1315 ग्राम का बैट इस्तेमाल करते थे, मैं 1200 ग्राम से नीचे नहीं जाता। अर्जुन का यह जवाब सुनकर पंत भी चौंक गए।

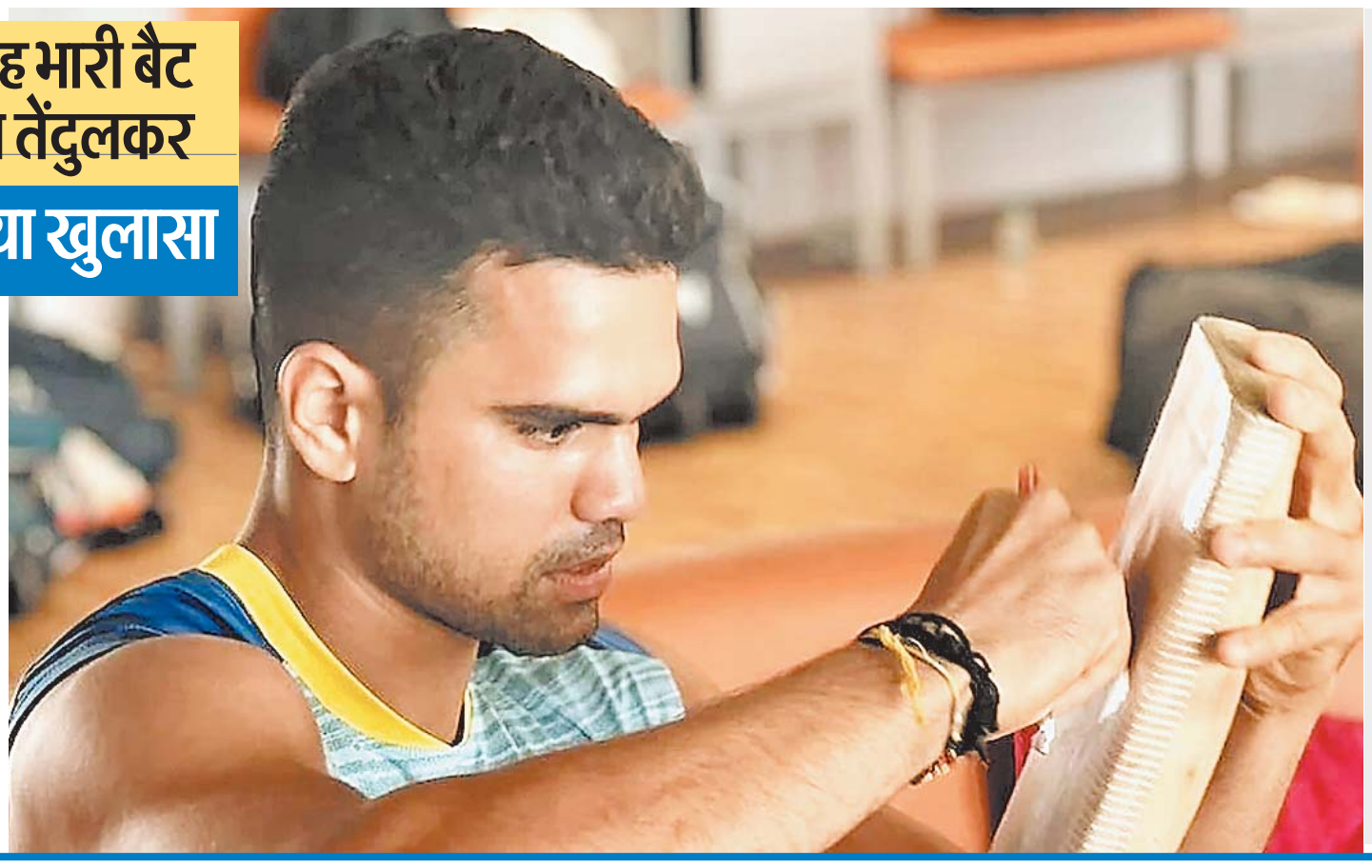

सचिन तेंदुलकर ने अपनी आत्मकथा में किया जिक्र

अर्जुन तेंदुलकर अपने पिता की तरह ही भारी बल्ले के साथ खेलना पसंद करते हैं। सचिन तेंदुलकर भी अपने करियर में भारी बैट से खेलने के लिए मशहूर रहे हैं। अपनी आत्मकथा प्लेइंग इट माय वे में सचिन ने बताया था कि उन्होंने बचपन से ही भारी बैट से खेलना शुरू किया और कभी भी हल्के बैट से खेलने में सहज महसूस नहीं किया। 26 साल के अर्जुन तेंदुलकर हाल ही में शादी के बंधन में बंधे हैं, लेकिन उन्होंने आराम करने के बजाय आईपीएल की तैयारी को प्राथमिकता दी। वह शादी के अगले ही दिन युवराज सिंह के साथ ट्रेनिंग के लिए पहुंच गए, जिसे देखकर ऋषभ पंत ने भी उनकी मेहनत की जमकर तारीफ की। अर्जुन इस बार आईपीएल में मुंबई इंडियंस की बजाय लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए खेलते नजर आने वाले हैं। आईपीएल 2026 के लिए हुई मिनी नीलामी से पहले अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के हाथों 30 लाख रुपये में ट्रेड किया था। अब वह अपने करियर के एक नए अध्याय की शुरुआत करने के लिए तैयार हैं।

मुझे टीम इंडिया का चीफ सेलेक्टर बने रहने दो...

टी-20 वर्ल्ड कप जीत के बाद अजीत अगरकर का दांव, टेंशन में बीसीसीआई

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से अपने कार्यकाल को 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक बढ़ाने की औपचारिक गुजारिश की है। दरअसल, 2024 टी20 वर्ल्ड कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी की खिताबी सफलता के बाद आईपीएल2025 से ठीक पहले अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट एक साल के लिए बढ़ाया गया था। अब घरेलू सरजमीं पर ञ20 वर्ल्ड कप खिताब बचाने के बाद उन्होंने अपने कार्यकाल को और लंबा करने की इच्छा जताई है। की रिपोर्ट के मुताबिक, इस मुद्दे पर बोर्ड के अंदर शुरुआती स्तर पर चर्चा भी हो चुकी है। हालांकि, अंतिम फैसला अभी बाकी है। यह निर्णय ऐसे समय में लिया जाना है जब भारतीय टीम वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अहम चरण में है और साथ ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों का रोडमैप भी तैयार किया जा रहा है।

गौरव की शादी में पहुंचे अजीत अगरकर- अगरकर जून 2023 से मेंस सीनियर चयन समिति के चेयरमैन हैं। उनके कार्यकाल में भारत ने कुल तीन आईसीसी खिताब अपने नाम किए हैं। दो टी20 वर्ल्ड कप और एक चैम्पियंस ट्रॉफी। यही नहीं टीम ने 2023 और 2025 एशिया कप भी जीते और व्हाइट-बॉल क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए 33 में से सिर्फ दो मुकाबले गंवाए। हालांकि, टेस्ट क्रिकेट में टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा। भारत को घरेलू मैदान पर लगातार दो टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा, जबकि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भी विदेशी जमीन पर हार मिली। इसी वजह से अगरकर के कार्यकाल की चमक थोड़ी फीकी भी पड़ी है। रिपोर्ट में यह भी संकेत मिले हैं कि अगरकर की जगह लेने के लिए वेस्ट जोन का एक पूर्व भारतीय खिलाड़ी रेस में आगे बताया जा रहा था, लेकिन फिलहाल इस दिशा में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। अब नजरें बीसीसीआई के फैसले पर टिकी हैं, क्या बोर्ड अगरकर की सफलता को देखते हुए उन्हें 2027 तक का भरोसा देगा या फिर सेलेक्शन कमेटी में बदलाव की राह अपनाएगा।

टीम इंडिया की सेलेक्शन कमेटी में कौन-कौन?

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम को जो लोग चुनते हैं, उनके सर्वेसर्वा यानी चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर हैं। वह जुलाई 2023 में टीम इंडिया के चीफ सेलेक्टर बने बने थे। सेलेक्शन कमेटी में 2007 की वर्ल्ड चैम्पियन टीम के सदस्य आरपी सिंह हैं, दूसरे दिग्गज प्रज्ञान ओझा हैं। आरपी और ओझा के अलावा सेलेक्शन कमेटी में शिव सुंदर दास और अजय रात्रा हैं।

एआई डीपफेक से तंग गौतम गंभीर पहुंचे दिल्ली हाई कोर्ट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के हेड कोच और पूर्व वर्ल्ड कप विजेता गौतम गंभीर ने अपनी पहचान के कथित दुरुपयोग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट का रुख किया है। उन्होंने कोर्ट की कमर्शियल डिवीजन में सिविल सूट दायर करU AI डीपफेक, फर्जी वीडियो और बिना अनुमति मर्चेंडाइज बेचने के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। गंभीर की लीगल टीम के मुताबिक, 2025 के अंत से सोशल मीडिया पर फर्जी कंटेंट तेजी से बढ़ा। इंस्टाग्राम, एक्स , यूट्यूब और फेसबुक पर कई अकाउंट्स ने एआई तकनीक, फेस-स्वैप और वॉइस क्लोनिंग के जरिए ऐसे वीडियो बनाए, जिनमें गंभीर को ऐसे बयान देते दिखाया गया जो उन्होंने कभी दिए ही नहीं। एक फर्जी रेजिग्नेशन को 29 लाख से ज्यादा व्यूज मिले, जबकि एक और क्लिप, जिसमें उन्हें सीनियर खिलाड़ियों पर टिप्पणी करते दिखाया गया, 17 लाख व्यूज तक पहुंची। सिर्फ सोशल मीडिया ही नहीं, बल्कि ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर भी गंभीर के नाम और तस्वीर का इस्तेमाल कर बिना अनुमति पोस्टर और प्रोडक्ट बेचे जा रहे थे।

काबुल एयरस्ट्राइक के जख्मों पर मरहम

अफगान खिलाड़ियों ने पीड़ितों से मिलकर दिया इंसानियत का संदेश

काबुल, एजेंसी

अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हुए भीषण हवाई हमलों के बाद हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पाकिस्तान द्वारा किए गए एयरस्ट्राइक में 400 से अधिक लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक अस्पताल भी निशाना बना। इसके अलावा, कुनार प्रांत में भी पिछले 24 घंटों में 124 रॉकेट दागे गए, जिससे हजारों लोग प्रभावित हुए। इस दर्दनाक घटना के बीच अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अधिकारी और राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ी पीड़ितों से मिलने अस्पताल पहुंचे। टीम के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी, उनके साथ गुलबदीन नईब और कायस अहमद ने वजीर अकबर खान और काबुल इमरजेंसी अस्पताल का दौरा किया। खिलाड़ियों ने घायलों का हाल जाना, उनके परिवारों से मुलाकात की और उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस पहल को अफगान क्रिकेट समुदाय में एकजुटता और सहानुभूति के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है।

राशिद खान ने जताया दुख

इस हमले को लेकर स्टार ऑलराउंडर राशिद खान ने भी गहरी नाराजगी और दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, मैं काबुल में नागरिकों की मौत की खबरों से बेहद दुखी हूं। नागरिक इलाकों, स्कूलों या अस्पतालों को निशाना बनाना युद्ध अपराध है। रमजान के पवित्र महीने में इंसानी जिंदगी की अनदेखी बेहद चिंताजनक है। मैं संयुक्त राष्ट्र और मानवाधिकार संगठनों से अपील करता हूं कि इस घटना की निष्पक्ष जांच हो और दोषियों को सजा मिले।

दिनेश कार्तिक के घर फिर गूंजी किलकारी, पत्नी ने बेटी को दिया जन्म

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक और स्क्वॉश स्टार दीपिका पल्लीकल के घर बेटी का जन्म हुआ है। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से दी है। कपल ने सोशल मीडिया पर लिखा, हमारे दिलों में दुआओं और शब्दों से परे शुक्रिया के साथ, हम खुशी-खुशी अपनी प्यारी बेटी का इस दुनिया में स्वागत करते हैं। कबीर और जियान अपनी छोटी बहन, राहा पल्लीकल कार्तिक को देखकर बहुत खुश हैं। प्यार, दीपिका और दिनेश।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

परदे पर गूंज रही है धुरंधर-2 की दहाड़ अल्लू अर्जुन बोले- रणवीर सिंह पर गर्व

मुंबई। निर्देशक आदित्य धर की स्पाई एक्शन थ्रिलर फिल्म धुरंधर : द रिवेंज सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है और पहले दिन से ही दर्शकों व सितारों के बीच खूब चर्चा में है। रिलीज होते ही फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पांस मिल रहा है। फिल्म देखने के बाद मनोरंजन जगत के कई सितारे आदित्य धर के काम के कायल हो गए हैं। सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन, मुकेश छाबरा और मधुर भंडारकर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए आदित्यधर के काम और फिल्म की कहानी की जमकर सराहना की। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर फिल्म के लंबा नोट शेयर किया। उन्होंने लिखा, ÷मैंने धुरंधर-2 देखी। फिल्म देशभक्ति और स्टाइल का शानदार मिश्रण है। यह हर देशभक्त को गर्व महसूस कराएगी। कई सीन ऐसे हैं जहां तालियां बजने लायक हैं।

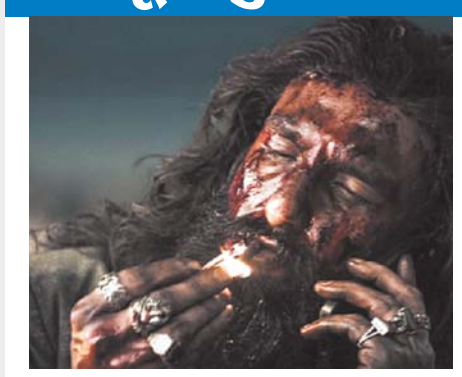

अभिनेता ने पूरी टीम को बधाई देते हुए लिखा, ÷माधवन गारु और सभी कलाकारों ने शानदार अभिनय किया। तकनीकी रूप से भी फिल्म बेहतरीन है। हमारे देश में रणवीर सिंह जैसे प्रतिभाशाली व बहुमुखी अभिनेता होने पर बहुत गर्व है। आदित्य धर ने फिल्म को कमाल बना दिया। यह एक भारतीय कहानी है, लेकिन इंटरनेशनल स्टाइल में। जय हिंद! निर्देशक मधुर भंडारकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक लंबा नोट शेयर किया। उन्होंने फिल्म की कहानी और कलाकारों के काम की जमकर सराहना की। उन्होंने लिखा, ÷बुधवार रात मैंने 3 घंटे 49 मिनट की फिल्म %धुरंधर 2% देखी और अभी तक दिमाग में वही रहा है। यह एक शानदार उदाहरण है कि किसी बड़े और महत्वपूर्ण सीक्वल को कैसे बनाया जाता है। निर्देशक का विजन हर सीन में झलकता है। फिल्म की स्पीड इतनी तेज है कि सांस लेने का मौका नहीं मिलता। पूरी कास्ट अच्छी है लेकिन रणवीर सिंह का रोल सबसे अलग है। उनकी एक्टिंग इतनी जबरदस्त है कि शब्द कम पड़ जाते हैं। वे किरदार में पूरी तरह ढल जाते हैं। उन्हें नेशनल अवॉर्ड मिलना चाहिए। स्पाई यूनिवर्स की दोनों धुरंधर फिल्मों ने भारतीय सिनेमा में नई पहचान बनाई हैं, जिसे आने वाले समय में दुनिया भर में याद किया जाएगा और सीखा जाएगा। यह एक बहुत बड़ी और यादगार फिल्म है। पूरी टीम को इस शानदार काम के लिए बधाई।÷

मेट्रो बाजार

एआई के चलते एचएसबीसी में जा सकती हैं 20,000 नौकरियां

नई दिल्ली। लंदन मुख्यालय वाला निवेश बैंक एचएसबीसी आने वाले वर्षों में बड़े स्तर पर कर्मचारियों की संख्या घटाने पर विचार कर रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, एचएसबीसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जॉर्जेस एलहेडरी बैंक के कामकाज को ज्यादा आसान और तेज बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल बढ़ाना चाहते हैं।

ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, खास तौर पर वे नौकरियां ज्यादा प्रभावित हो सकती हैं जो सीधे ग्राहकों से जुड़ी नहीं हैं, जैसे मिडिल और बैक-ऑफिस के काम। हालांकि इस पर अभी शुरुआती स्तर पर ही चर्चा चल रही है और कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बदलाव से करीब 20,000 नौकरियां प्रभावित हो सकती हैं, जो बैंक के कुल वैश्विक कर्मचारियों का लगभग 10 प्रतिशत है। हालांकि बैंक की ओर से इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। बताया गया है कि इस तरह के बदलाव पर चर्चा मध्य-पूर्व में हालिया तनाव बढ़ने से पहले ही शुरू हो गई थी। साल 2024 में सीईओ बनने के बाद जॉर्ज एलहेडरी ने बैंक में बड़े स्तर पर बदलाव शुरू किए हैं, जिसमें पहले ही हजारों कर्मचारियों की छंटनी, कुछ कारोबारों की बिक्री, विलय और बंद करने जैसे फैसले शामिल हैं। 2025 के अंत तक एचएसबीसी में करीब 2,10,000 कर्मचारी थे। अब बैंक यह भी देख रहा है कि जिन पदों पर कर्मचारी खुद नौकरी छोड़ते हैं, उन्हें दोबारा भरा जाए या नहीं। इसके अलावा कुछ नौकरियां कारोबार बंद करने या बेचने से भी खत्म हो सकती हैं।

मध्य पूर्व संकट का जापान पर असर केंद्रीय बैंक को महंगाई बढ़ने की आशंका

टोक्यो। बैंक ऑफ जापान (बीओजे) ने गुरुवार को कहा कि मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में आई तेजी से देश में महंगाई बढ़ने की आशंका है। यह बयान ऐसे समय आया है जब वैश्विक ऊर्जा बाजार में अस्थिरता लगातार बनी हुई है और इसका सीधा असर तेल आयात करने वाले देशों पर पड़ रहा है। बैंक ऑफ जापान ने अपनी मौद्रिक नीति की समीक्षा के दौरान प्रमुख ब्याज दर को 0.75 प्रतिशत पर ही बनाए रखने का निर्णय लिया। यह कदम इस संकेत के रूप में देखा जा रहा है कि बैंक फिलहाल आर्थिक स्थिरता को प्राथमिकता दे रहा है और अचानक दरों में बदलाव से बचना चाहता है। हालांकि, बैंक ने यह भी स्पष्ट किया कि ऊर्जा कीमतों में वृद्धि से उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर दबाव बढ़ेगा, जिससे महंगाई दर में इजाफा हो सकता है। जापान की अर्थव्यवस्था विशेष रूप से ऊर्जा आयात पर निर्भर है। देश अपनी कुल तेल जरूरतों का लगभग 95 प्रतिशत मध्य पूर्व से आयात करता है। ऐसे में क्षेत्र में किसी भी प्रकार का संघर्ष या आपूर्ति में बाधा सीधे तौर पर जापान की ऊर्जा लागत को बढ़ा देता है। मध्य पूर्व में जारी युद्ध के कारण कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में तेजी आई है, जिससे जापान के लिए आयात बिल बढ़ना तय है। र्जा कीमतों में वृद्धि का असर केवल पेट्रोल और डीजल तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह परिवहन, उत्पादन और रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों को भी प्रभावित करता है। इसका परिणाम यह होता है कि आम नागरिकों की क्रय शक्ति घटती है और आर्थिक गतिविधियों पर दबाव बढ़ता है।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना नहीं होता आसान :स्नेहलता वसईकर

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बचों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने आईएएनएस से बातचीत में गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं।

स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो वशीकरणम में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है।

स्नेहलता ने कहा, गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। वशीकरणम मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं। स्नेहलता ने आगे कहा, थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है।

थाई मियू महोत्सव

» विश्व सांस्कृतिक विरासत का सम्मान

ट्रान राजवंश का थाई मियू महोत्सव हर साल मार्च में आन सिन्ह (क्वांग निन्ह प्रांत) में आयोजित किया जाता है, पहली बार एक यह विश्व सांस्कृतिक विरासत के सम्मान के रूप में आयोजित किया जा रहा है। यहां पूर्वजों के मंदिर के उद्घाटन समारोह, संरक्षक देवता समारोह और जल जुलूस समारोह जैसे पारंपरिक अनुष्ठान संपन्न होते हैं। इनमें से, ट्राई लोक झील से निकलने वाला जल जुलूस एक महत्वपूर्ण समारोह है जो ट्रान राजवंश के पूर्वजों के अतीत के जीवन को पुनः जीवंत करता है।

न्यूज विंडो

काटी बिचौलियों की रस्सी, मौजूदा युग का आधार दूरसंचार: सिंधिया

ग्वालियर। केंद्रीय दूरसंचार और उत्तरपूर्व मामलों मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने डिजिटल इंडिया, वैश्विक कूटनीति और उत्तरपूर्व से लेकर ग्वालियर के विकास पर एक निजी कार्यक्रम अपनी बात रखी।

साथ ही, कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सत्ता की बेसब्री में वह देश को भी बदनाम करने से गुरेज नहीं कर रही।सिंधिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शिता का उल्लेख करते हुए कहा कि जैसे 100 साल पहले औद्योगिक क्रांति की नींव रेल और सड़क मार्ग थे, आज के युग का आधार दूरसंचार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने एक दशक पहले ही भांप लिया था कि आने वाला समय संचार और डिजिटाइजेशन का होगा। आज मोबाइल उपभोक्ता 90 करोड़ से बढ़कर 122 करोड़ हो चुके हैं। यह एक ऐसा अदृश्य राजमार्ग है, जिसने बिचौलियों की रस्सी काट दी है। अब दिल्ली से बटन दबता है और पैसा सीधे गरीब के खाते में पहुंचता है। कॉल ड्रॉप और सेवा की गुणवत्ता के सवाल पर सिंधिया ने स्पष्ट किया कि मंत्रालय ने भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण के साथ मिलकर आठ कड़े मापदंड तय किए हैं।

मट्टू हत्याकांड पर हाई कोर्ट का सख्त रुख, संतोष सिंह को सरेंडर का आदेश

नई दिल्ली। प्रियदर्शीनी मट्टू कि हत्या के मामले में दोषी संतोष कुमार सिंह को दिल्ली हाई कोर्ट ने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। अदालत ने उक्त आदेश मट्टू के बड़े भाई द्वारा समय पूर्व रिहाई की मांग को लेकर एक दोषी कि याचिका का विरोध करने पर दिया। 1996 में मट्टू की दुष्कर्म करने के बाद हत्या कर दी गई थी। इस मामले में आरोपितों को ट्रायल कोर्ट ने बरी कर दिया था। हालांकि, 2006 में हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के निर्णय को पलटते हुए आरोपितों को दोषी करार दिया था।गौरतलब है कि वर्ष 1996 की जनवरी में संतोष कुमार सिंह ने प्रियदर्शिनी मट्टू के साथ दुष्कर्म कर उसकी बेरहमी से हत्या कर दी थी। तब वह 25 वर्ष की थीं।संतोष कुमार सिंह दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रियदर्शिनी की तरह ही कानून का छात्र था। जिसें 3 दिसंबर 1999 को ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में बरी कर दिया था।हालांकि, दिल्ली हाई कोर्ट ने 27 अक्टूबर 2006 को ट्रायल कोर्ट का फैसला पलटते हुए उसे दुष्कर्म और हत्या का दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई थी।

तीसरे बच्चे के जन्म पर भी महिला को 180 दिन का मातृत्व अवकाश

शिमला। स्वास्थ्य विभाग ने हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के आदेशों का अनुपालन करते हुए याचिकाकर्ता को तीसरे बच्चे के जन्म पर 180 दिनों के मातृत्व अवकाश को मंजूरी दे दी है। इसे लेकर स्वास्थ्य निदेशक की ओर से हाईकोर्ट में हलफनामा दायर किया गया है। हलफनामे में बताया गया है कि अदालती आदेश की अनुपालना लंबित एसएलपी के अंतिम परिणाम के अधीन होगी। विभाग ने यह कदम याचिकाकर्ता की ओर से दायर अवमानना याचिका के बाद उठाया है। इसके बाद डबल बेंच की खंडपीठ ने एकल जज के फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इन्कार कर दिया। इसके बाद सरकार ने कानूनी राय ली। 20 फरवरी 2026 को प्रशासनिक विभाग (स्वास्थ्य) से मिली मंजूरी के बाद, निदेशक स्वास्थ्य सेवाओं ने आधिकारिक आदेश जारी कर दिए। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने सीबीएसई संबद्ध सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए शिक्षकों के चयन के लिए अनिवार्य परीक्षा करवाने को लेकर शुक्रवार को फैसला करेगा। वीरवार को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार और सीबीएसई की ओर से जवाब दाखिल कर दिया गया है।याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत से इस टेस्ट परीक्षा पर रोक लगाने की मांग की।

47% प्राकृतिक गैस का कतर से आयात करता है भारत

हमला कतर पर, टेंशन में भारत-चीन पांच साल तक गैस सप्लाई पर असर!

नई दिल्ली, एजेंसी

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच ईरान न सिर्फ इजरायल और अमेरिका पर हमले कर रहा है, बल्कि खाड़ी देशों को भी निशाना बना रहा है। ईरान ने कतर के तेल और गैस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया।

ईरान द्वारा किए गए इस हमले ने कतर की (रास लफान रिफाइनरी) लिक्विफाइड नेचुरल गैस निर्यात क्षमता का लगभग 17% हिस्सा ठप कर दिया है। इस हमले से हुए नुकसान से उबरने में और रिपेयर के काम में करीब 5 साल का समय लग सकता है। यह संकट भारत के लिए सबसे गंभीर चुनौती है। भारत अपनी कुल जरूरत की लगभग 47% प्राकृतिक गैस अकेले कतर से आयात करता है।

कतर एनर्जी के सीईओ साद अल-काबी ने बताया कि गत दिनों हुए हमलों से प्रमुख उत्पादन सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है। इसकी मरम्मत में पांच साल तक का समय लग सकता है, जिसके कारण उसे कुछ LNG अनुबंधों पर दीर्घकालिक 'फोर्स मेज्योर' (अप्रत्याशित घटना के कारण अनुबंध से छूट) घोषित करना पड़ा है।

ऊर्जा मामलों के राज्य मंत्री और कतर एनर्जी के अध्यक्ष और सीईओ साद शेरिदा अल-काबी ने कहा, 'मिसाइल हमलों ने कतर की LNG निर्यात क्षमता को 17 प्रतिशत कम कर दिया है और वार्षिक राजस्व में अनुमानित 20 अरब डॉलर का नुकसान पहुंचाया है। हमारी उत्पादन सुविधाओं को हुए भारी नुकसान की मरम्मत में पांच साल तक का समय लगेगा और हमें दीर्घकालिक 'फोर्स मेज्योर' घोषित करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। '

इटली पर भी पड़ेगा असर

मंत्री साद शेरिदा अल-काबी ने कहा, 'LNG सुविधाओं को हुए नुकसान की मरम्मत में तीन से पांच साल का समय लगेगा। इसका असर चीन, दक्षिण कोरिया, इटली और बेल्जियम पर पड़ेगा। इसका मतलब है कि हमें कुछ दीर्घकालिक LNG अनुबंधों के लिए पांच साल तक 'फोर्स मेज्योर' (अपरिहार्य परिस्थितियों) की घोषणा करने के लिए विवश होना पड़ेगा।

भारत के लिए चिंता का विषय

इस व्यवधान ने भारत के लिए चिंताएं बढ़ा दी हैं, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए कतर पर बहुत अधिक निर्भर है। पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ और वाणिज्य मंत्रालय के आधिकारिक आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के कुल स्र्हल आयात में कतर की हिस्सेदारी लगभग आधी है।

भारत में कब कितनी आपूर्ती हुई?

2024 में, भारत ने लगभग 27.8 मिलियन मीट्रिक टन LNG का आयात किया, जिसमें से कतर ने 11.30 MMT की आपूर्ति की, जिसका मूल्य 6.40 अरब डॉलर था, यह कुल LNG आयात का लगभग 47 प्रतिशत था। पेट्रोलियम योजना और विश्लेषण प्रकोष्ठ और वाणिज्य मंत्रालय के 2025-26 के आधिकारिक आंकड़ों ने भी इस बात की पुष्टि की है कि कतर भारत का प्राथमिक गैस आपूर्तिकर्ता बना हुआ है।

घरेलू कीमतों पर दिखेगा असर

बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच, इस चल रहे व्यवधान से भारत के ऊर्जा आयात के लिए जोखिम बढ़ने की उम्मीद है, क्योंकि उसके सबसे बड़े आपूर्तिकर्ता से आपूर्ति कम होने से घरेलू बाजार में उपलब्धता और कीमतों पर असर पड़ सकता है।

कतर के आधिकारिक बयान के अनुसार, इन हमलों से लिक्विफाइड नेचुरल गैस बनाने वाली दो ट्रेनें - ट्रेन 4 और ट्रेन 6 - क्षतिग्रस्त हो गईं। इन दोनों की कुल उत्पादन क्षमता सालाना 12.8 मिलियन टन है, जो कतर के कुल निर्यात का लगभग 17 प्रतिशत है।

भूस्खलन और बारिश से बिगड़े हालात, कई घर कराए खाली

कुल्लू, एजेंसी

कुल्लू। हिमाचल के कुल्लू में 24 घंटे से लगातार मूसलाधार बारिश और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हिमपात जारी है। इससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। हालात ऐसे हैं कि जिले की कुल 13 सड़कें बंद हो गई हैं।

ग्रामीण इलाकों में 216 ट्रांसफॉर्मर ठप पड़ने से अंधेरा छाया हुआ है। भारी बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन की घटनाएं सामने आई हैं। भुंतर-मणिकर्ण मार्ग जछनी के पास मलबा आने से अवरुद्ध हो गया है, जहां दलदल में वाहन फंसने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे चिंताजनक स्थिति कुल्लू के इनर अखाड़ा बाजार में बनी हुई है। मठ क्षेत्र से एक बार फिर भूस्खलन शुरू हो गया है। इससे मद्देनजर प्रशासन ने एहतियातन 15 घरों को खाली करवा दिया है, लेकिन लगातार गिरते मलबे के कारण खतरा अभी भी बरकरार है। सितंबर 2025 की त्रासदी में नौ लोगों की मौत के बाद अब दोबारा भूस्खलन ने लोगों में भय का माहौल और गहरा कर दिया है।

वहीं, मणिकर्ण-बरशैनी मार्ग घटीगढ़ के पास फिर से बंद हो गया है। यह मार्ग पिछले एक वर्ष से बार-बार बाधित हो रहा है, जिससे स्थानीय लोगों और पर्यटकों को लगातार दिक्कतें झेलनी पड़ रही हैं। एनएचसी चरण-तीन डैम साइट के पास सड़क बंद होने से स्कूली बच्चों को पैदल आवाजाही करनी पड़ रही है। क्षेत्रवार देखें तो बंजार और मनाली में दो-दो, कुल्लू में पांच और निरमंड में चार सड़कें बंद हैं। प्रशासन ने सभी विभागों को अलर्ट पर रखा है और उपायुक्त अनुराग चंद्र शर्मा ने लोगों से खराब मौसम में अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है।

चाय के विवाद में देवर बना हैवान भाभी की बेरहमी से कर दी हत्या

रायसेन। रिश्तों की मर्यादा को तार-तार कर देने वाली एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे इलाके को दहला दिया। सलामतपुर थाना क्षेत्र के खोहा गांव में देवर ने अपनी ही भाभी को मौत के घाट उतार दिया। जानकारी के अनुसार, खोहा निवासी खेमचंद मालवीय सुबह खेत पर काम के लिए घर से निकला था। घर पर उसकी पत्नी पूजा मालवीय (32) अपने 8 वर्षीय बेटे ऋतिक के साथ मौजूद थी। सुबह करीब साढ़े 9 बजे पूजा किचन में खाना बना रही थी, तभी उसका देवर रामू मालवीय (27) वहां पहुंचा और चाय बनाने को कहा। पूजा ने किसी कारणवश चाय बनाने से मना कर दिया।

हत्या के बाद फरार हुआ आरोपी: चाय बनाने से मना करने पर रामू का गुस्सा बेकाबू हो गया। गुस्से में उसने पास रखा डंडा उठाया और पूजा के सिर पर ताबड़तोड़ वार करना शुरू कर दिया। पूजा लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ी। आरोपी तब तक वार करता रहा, जब तक उसकी भाभी ने दम नहीं तोड़ दिया। वारदात के बाद आरोपी घर से बाहर निकला, जहां उसके बड़े भाई गणेशराम ने उसे खून से सना देखा। पूछने पर उसने ठंडे लहजे में कहा 'मैंने भाभी को मार डाला' और मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दिनेश सिंह रघुवंशी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

आतंकवाद में टॉप पर पाकिस्तान, ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स में मिला पहला स्थान

इस्लामाबाद, एजेंसी

वैश्विक आतंकवाद का भूगोल एक बार फिर बदल गया है। दुनिया में सबसे ज्यादा आतंक से प्रभावित देशों में पाकिस्तान का नाम टॉप पर आ गया है। पाकिस्तान से पहले पश्चिमी अफ्रीकाई देश बुर्किना फासो इस लिस्ट में टॉप पर था।

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस की ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स रिपोर्ट में आतंकवाद से प्रभावित देशों में पाकिस्तान को पहला स्थान मिला है। पिछले 12 संस्करणों में से हर बार पाकिस्तान शीर्ष दस देशों में शामिल रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इस लिस्ट में अब बुर्किना फासो दूसरे नंबर पर आ गया है। वहीं तीसरे नंबर पर पश्चिमी अफ्रीकाई देश नाइजर का नाम है। ग्लोबल टेररिज्म इंडेक्स रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान में 2025 में 1,045 आतंकवादी घटनाएं हुई, जिनमें 1,139 लोगों की मौत हुई और 1,595 लोग घायल हुए। पाकिस्तान मे आतंकवादी घटनाओं का यह आंकड़ा पिछले दशक में सबसे बुरा आंकड़ा है।

उग्रवादी समूहों, जिनमें मुख्य रूप से तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान शामिल है, इसने अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल एक लॉन्चपैड, पनाहगाह और प्रशिक्षण केंद्र के तौर पर किया।

TTP ने यहां से पाकिस्तानी सुरक्षा बलों तथा आम नागरिकों के खिलाफ एक लगातार अभियान छेड़ रखा है। 2025 में TTP के हमलों में 24% की बढ़ोतरी हुई, जिससे घटनाओं की संख्या 595 और मौतों की संख्या 637 तक पहुंच गई।

मेट्रो एंकर हिसार विधायक और ओपी जिंदल समूह की प्रमुख सावित्री जिंदल के पास 3 लाख करोड़ की दौलत

देश की सबसे अमीर महिला और उनका महल-सा आशियाना

हिसार, एजेंसी

देश में जब अमीरों की बात की जाती है तो सबसे पहले नाम अंबानी और अडानी का आता है। लेकिन बता दें कि फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट 2025 में हरियाणा की हिसार की विधायक और ओपी जिंदल समूह की प्रमुख सावित्री जिंदल भारत की सबसे अमीर महिला बनीं। पहले नंबर पर अंबानी, दूसरे पर अडानी तो तीसरे पर सावित्री जिंदल का नाम है।

इस तरह से 37.3 अरब डॉलर,भारतीय करेंसी के हिसाब से लगभग 3 लाख करोड़ की नेटवर्थ के हिसाब से सबसे अमीर महिला बनीं। हालांकि सावित्री जिंदल ने चुनाव आयोग को दिए हलफनामे में कुल संपत्ति 270 करोड़ रुपये बताई थी। अब अगर देश की अमीर महिला की लाइफस्टाइल की बात करें तो उन्हें सादगी पसंद है, जिसका सबूत सोशल मीडिया पर पोस्ट तस्वीरों को देखकर पता चलता है।

हरियाणा की हिसार विधानसभा में बना उनका जिंदल हाउस भले ही देखने में महल जैसा आलीशान लगता हो, लेकिन सजावट बहुत ही सिंपल और खूबसूरत है। अगर आप अपने को सादगी के साथ सजाकर क्लासी लुक देना चाहते हैं तो सावित्री जिंदगी के घर की तस्वीरें आपको पसंद आएंगी, साथ ही होम डेकोर के लिए आइडिया भी देंगी।

बाहर की दीवारों पर पत्थर की टाइल्स का पैटर्न: सबसे पहले बाहरी लेआउट की बात करें तो दीवारों का रंग हल्का हरा और क्रीमी है। पत्थर की टाइल्स का अट्रैक्टिव पैटर्न बना है। यह हिस्सा एक खुले हरे-भरे लॉन से जुड़ा है, जो घर के बाहरी माहौल को शांत और आलीशान बनाता है। दूसरी तरफ, ऊंची छतें और स्तंभ इसकी शाही बनावट को दिखाते हैं। यहां की लाइटिंग और बनावट पुराने जमाने की खूबसूरती और मॉर्डन लग्जरी का बेहतरीन कॉम्बिनेशन है।

भगवान कृष्ण की खूबसूरत तस्वीर: इस कमरे में हल्की और क्रीम रंग की दीवारें हैं, जिन पर भगवान कृष्ण की खूबसूरत तस्वीर लगी है। लकड़ी की बनी एक बड़ी स्टडी टेबल या डेस्क इसकी मुख्य पहचान है, जिसके पास लकड़ी का आरामदायक फर्नीचर रखा है। यह हिस्सा परिवार की विरासत, संस्कृति और शांत लाइफस्टाइल को दिखाता है।

लिविंग रूम में बड़ी कांच की दीवार

घर के लिविंग रूम में ऊंची छतें और कांच की बड़ी दीवारें हैं, जहां से बाहर का हरा-भरा नजारा साफ दिखाई देता है। इंटीरियर में पेस्टल और न्यूट्रल रंगों का इस्तेमाल हुआ है, जो सोफों और कालीनों के साथ मिलकर एक शांत और लग्जरी माहौल बनाते हैं। दीवारों पर स्वर्गीय ओ.पी. जिंदल जी की बड़ी तस्वीर और कलात्मक मूर्तियां परिवार की विरासत और संस्कृति को दिखाती हैं। कांच की सेंटर टेबल और लकड़ी का फर्श खूबसूरती बढ़ाता है।

पेस्टल कलर्स के आरामदायक सोफे

जिंदल हाउस का हर एक कोना खूबसूरत है, इस एरिया को पेस्टल कलर्स के आरामदायक सोफे और कालीन से सजाया गया है, जो एक शांत माहौल बनाते हैं। दीवारों पर लकड़ी का काम और आर्ट वर्क खूबसूरती बढ़ाते हैं। कांच की सेंटर टेबल और लकड़ी का फर्श आधुनिक डिजाइन को पेश करते हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564